सिविल सर्विसेज मिनर्वा

सामान्य अध्ययन

वर्ष 9, अंक 1, जनवरी, 2014

मूल्य : 50 रुपये

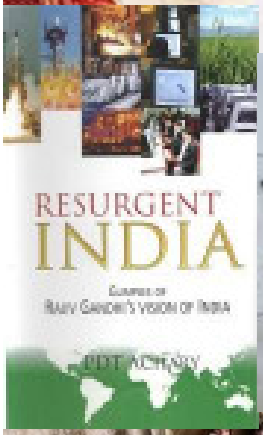

अनुक्रमणिका

राष्ट्रीय समसामयिकी

छह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मध्य विश्व की सबसे बड़ी सौर परियोजना की स्थापना हेतु समझौता 4

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने गरुड़ वसुधा उन्नत हल्के हेलीकाप्टर का शुभारंभ किया 4

अंतरराष्ट्रीय समसामयिकी

लातविया यूरो मुद्रा को अपनाने वाला १८वां देश बना 5

भारत और विष्व 6

अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा सूचकांक में भारत की स्थिति सबसे न्यूनतम 6

आईपी सूचकांक के मुख्य बिंदु 6

अर्थव्यवस्था/वाणिज्य

भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर .25 प्रतिशत बढ़ाकर 8 प्रतिशत की 7

तीसरी तिमाही नीति समीक्षा के मुख्य बिन्दु 7

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर आनंद सिन्हा सेवानिवृत्त 7

पीजे नायक समिति 7

समिति के विचारणीय विषय 7

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

इसरो ने जीएसएलवी डी–5 का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया 8

पर्यावरण / पारिस्थतिकी 9

वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक 2014 9

ईपीआई की अन्य विशेषताएँ 9

पुरस्कार/सम्मान

71वें गोल्डन ग्लोब अवार्ड 2014 10

रामानुजन गणित पुरस्कार 2014 10

59वें आईडिया फिल्मफेयर अवॉर्ड 2013 घोषित 11

राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भावना पुरस्कार 2013 11

56वें वार्षिक ग्रैमी पुरस्कार 2014 11

ग्रैमी पुरस्कार से संबंधित तथ्य 11

केंद्र सरकार ने वर्ष 2014 के लिए पद्म पुरस्कारों की घोषणा की 13

पद्म पुरस्कारों विजेताओं की सूची 13

दिवस/सप्ताह/वर्ष

24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाया गया 16

भारत में लड़कियों के लिए कुछ योजनाएं 16

राष्ट्रीय बालिका दिवस का उद्देश्य 16

पुस्तकें

"इंडियाज पॉलिटिकल एंड फोरन रिलेशन एंड गल्फ्फ रीजन" 17

'रिसर्जेंट इंडिया – ग्लिमसेज ऑफ राजीव गांधीज विजन ऑफ इंडिया' 17

पदत्याग/पदमुक्त

निकोलाई एजारोव 18

समिति/आयोग

डॉ. उर्जित आर पटेल समिति 19

समिति के विचारार्थ विषय 19

समिति की मुख्य सिफारिशें 19

निर्वाचित/नियुक्त

मेहदी जोम्मा 20

कैलाश मेघवाल 20

कैथरलीन सांबा–पांजा 20

निधन/मृत्यु

एरियल शेरॉन 21

सुचित्रा सेन 21

सुधीर महतो 21

नागेश्वर राव 22

खेल/खिलाड़ी 23

नडाल को हराकर वावरिंका ने जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब 23

डोमीनिका सिबुलकोवा को हरा कर ली ना बनीं महिला एकल खिताब की विजेता 23

वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक 24

रोनाल्डो को फीफा के साल 2013 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के खिताब (बैलन डी ओर) से नवाजा गया 24

फीफा अवॉर्ड्स समारोह के प्रमुख विजेता – 24

आलेख

सर्वशिक्षा वैश्विक निगरानी रिपोर्ट 2013–14 26

वैश्विक निगरानी रिपोर्ट और भारत 26

मुख्य तथ्य 26

Editorial and Corporate Office
Rajrooppur, Allahabad
RNI
UPHIND/2005/26617
Publisher, Editor and Owner
Dheer Singh Rajput
Allahabad; Year 9, Issue 1, January, 2014
Place of Publication & Registerd Office
331/240 A, Stainly Road, Nayapura, Allahabad (UP)
Printing Press & Address
Academy Press Daraganj, Allahabad (UP)
Website : www.developindiagroup.com
E-mails : civilservicesminerva@gmail.com

संपादकीय और कॉरपोरेट ऑफिस
राजरूपपुर, इलाहाबाद
आरएनआई
UPHINDI/2005/26617
प्रकाशक, संपादक, और स्वामी
धीर सिंह राजपूत
इलाहाबाद, वर्ष 9, वर्ष 9, अंक 1, जनवरी, 2014
प्रकाशन का स्थान और रजिस्टर्ड ऑफिस
331 / 240 ए, स्टैनली रोड, नयापुरा, इलाहाबाद (उ.प्र.)
प्रिंटिग प्रेस का पता
एकेडमी प्रेस, दारागंज, इलाहाबाद (उ.प्र.)
वेबसाइट : www.developindiagroup.com
ई–मेल : civilservicesminerva@gmail.com

Read

Only in 500/- per year

Develop India

http://www.developindiagroup.co.in/

Develop India

Only in 500/- per year

Online Subscription

http://www.developindiagroup.co.in/

राष्ट्रीय समसामयिकी

छह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मध्य विश्व की सबसे बड़ी सौर परियोजना की स्थापना हेतु समझौता

सार्वजनिक क्षेत्र के छह उपक्रमों (पीएएसयू) ने 29 जनवरी 2014 को राजस्थान में विश्व की सबसे बड़ी 400 मेगावाट अल्ट्रा–सौर परियोजना स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं. यह परियोजना सांभर, राजस्थान में 19000 एकड़ में फैला सबसे बड़ा एकल स्थल सौर संयंत्र होगा. परियोजना 7 से 8 वर्ष में दो चरणों में विकसित की जाएगी.

इस संयुक्त उद्यम कंपनी को निम्न इक्विटी–सहभागिता के अनुसार परियोजना को विकसित किया जाना है, जिसमे हिस्सेदारी का प्रतिशत निम्नलिखित है –

पीएसयू का नाम	*सहभागिता का प्रतिशत*
बीएचईएल (भेल)	26
एसइसीआई (भारतीय सौर ऊर्जा निगम)	23
एसएसएल (सांभर साल्ट लिमिटेड)	16
पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि.	16
सतलुज जल विद्युत निगम	16
राजस्थान इलेक्ट्रोनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट्स लि.	3

परियोजना के पहले चरण में 1000 मेगावाट तीन वर्षों में पहले चालू कर दिया जाएगा, जबकि शेष 3000 मेगावाट अगले उत्तरवर्ती चरणों में कवर किया जाएगा. पहले चरण में 7500 करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी. भारी उद्योग विभाग इस निवेश के लिए एक विशेष प्रयोजन माध्यम (एसपीवी अर्थात स्पेशल पर्पज व्हीकल) स्थापित करेगा.

- संयंत्र का जीवन 25 वर्ष होने का अनुमान लगाया गया है और उसके द्वारा 6400 मिलियन यूनिट ऊर्जा प्रति वर्ष सप्लाई किए जाने की आशा है.
- उपकरण की आपूर्ति भेल द्वारा की जाएगी.
- विद्युत निष्क्रमण बुनियादी संरचना पीजीसीआईएल द्वारा स्थापित की जाएगी.
- बिजली की बिक्री एसइसीआई द्वारा की जाएगी.
- परिचालन और रखरखाव आरईआईएल करेगी.
- परियोजना–प्रबंधन एसजेवीएनएल द्वारा किया जाएगा.
- यह सोलर फोटो–वोल्टेइक पावर संयंत्र क्रिस्टलिन सिलिकॉन टेक्नोलॉजी पर आधारित पीवी मॉड्यूल्स का इस्तेमाल करेगा.

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने गरुड़ वसुधा उन्नत हल्के हेलीकाप्टर का शुभारंभ किया

22 जनवरी 2014 को खनन मंत्री दिनशा पटेल ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर **'गरुड़ वसुधा'** को बंगलौर में राष्ट्र को समर्पित किया. इस हेलीकॉप्टर में हेलीबॉर्न जिओफिजिकल सर्वेक्षण प्रणाली (एसजीएसएस) लगी है.

यह हेलीकॉप्टर हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) कॉम्प्लेक्स, बंगलौर में तैयार किया गया.

'गरुड़ वसुधा' वस्त्युतरू 'ध्रुव' श्रेणी का हेलीकॉप्टर है, जिसे एचएएल तथा एचजीएसएस द्वारा स्व्वदेशी तकनीक से निर्मित किया गया है.

- इस हेलीकॉप्टर का प्रयोग छुपी हुई खनिज सम्ध्पदा की खोज के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) द्वारा सघन सर्वेक्षणों के लिए किया जाएगा.
- हेलीबॉर्न जियोफिजिकल सर्वे प्रणाली (एचजीएसएस) की स्व्टेट ऑफ द आर्ट विशेषता के चलते देश में गहराई में स्थित तथा छिपे खनिज भंडारों की खोज करने तथा एयरो जियोफिजिकल सर्वेक्षण में समर्थ बनाने में उपयोगी होगा.
- इसमें चार एयरो जियो फिजिकल सेंसर या टाइम डोमेन इलेक्ध्ट्रो मैग्नेटिक, स्पैक्ट्रोमैट्रिक, ग्रेवीमैट्रिक साथ–साथ डाटा संग्रह प्रणाली से लैस है.
- सेंसर प्रणाली की स्थापना तथा समन्ध्वय का कार्य एचएएल द्वारा किया गया है.
- इस हेलीकॉप्टर में एचजीएसएस की कुल लागत करीब 63 करोड़ रुपये आई है.
- देश में बढ़ते हुए खनिज संसाधनों को खोज निकालने में इनका प्रभावी ढंग से इस्तेमाल होगा एवं इससे मूल्यवान विदेशी मुद्रा की बचत होगी.

अंतरराष्ट्रीय समसामयिकी

लातविया यूरो मुद्रा को अपनाने वाला 18वां देश बना

बाल्टिक देश लातविया बुधवार को नए साल के प्रथम दिन यूरोजोन का 18वां सदस्य देश बन गया। यूरो वाला वह 18वां देश है. लातविया को भरोसा है कि यूरो अपनाने के बाद उनके देश का आर्थिक विकास और तेज होगा. पिछले साल यूरोपीय संघ में यह सबसे तेज विकास वाला देश रहा है. प्रधानमंत्री वाल्दिस डोमब्रोस्की का कहना है, यूरोजोन में शामिल होने का मतलब मजबूत और ज्यादा वैश्विक मुद्रा वाले क्षेत्र में शामिल होना. इससे निश्चित तौर पर अर्थव्यवस्था को फायदा होगा.

लेकिन लातविया और उसकी राजधानी रीगा में सबको ऐसा भरोसा नहीं है. देश के 20 लाख लोगों में से सिर्फ आधे ने ही यूरो के हक में मत दिया है. प्रधानमंत्री हालांकि पड़ोसी देश एस्टोनिया की मिसाल देते हैं, जिसने 2011 में यूरो अपनाया और वहां फायदा दिख रहा है. यहां तक कि उस वक्त यूरो की हालत भी बहुत खराब थी.

एस्टोनिया के प्रधानमंत्री टूमास हेंड्रिक ने अक्टूबर में कहा, यह किसी देश की गुणवत्ता की निशानी है कि इसकी अर्थव्यवस्था और वित्तीय ढांचा यूरोजोन के अंदर हो. उनका दावा है कि प्रतिद्वंद्विता के स्तर पर इसका काफी फायदा होता है और इसकी वजह से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर भी अच्छा असर पड़ता है.

पिछले साल यानी 2013 के दूसरे हिस्से में यूरोजोन को फायदा पहुंचा है और वह 18 महीने बाद घाटे से बाहर निकलने में कामयाब रहा है. जर्मन चांसलर अंगेला मैर्केल का कहना है, यूरोजोन को स्थिर करने के लिए हमने काफी काम किया है. हम कह सकते हैं कि अब यूरोपीय संघ के 28 में से 18 देश यूरो अपना चुके हैं. लातविया को इसमें शामिल करने का मैं स्वागत करती हूं.

हालांकि लातविया के लोगों को इस बात का डर सता रहा है कि यूरो आने के बाद महंगाई बढ़ सकती है और उन्हें अपनी मुद्रा लाट से अलग होते हुए भी अच्छा नहीं लग रहा है. लातवियाई मुद्रा यूरो से ज्यादा मूल्य की है. एक यूरो करीब 0.70 लाट का है और मुद्रा बदलने पर यही रेट मिल रहा है. लाट का देश की आजादी के साथ भी जुड़ाव रहा है. लातविया 1991 में सोवियत संघ से अलग हुआ है. यूरो की स्वीकृति बढ़ाने के लिए खास सिक्के ढाले जाएंगे. पांच लाट के सिक्कों पर जो राष्ट्रीय परिधान में महिला की तस्वीर होती थी, वही तस्वीर यूरो के सिक्कों पर भी होगी.

प्रधानमंत्री डोमब्रोस्की का कहना है, निश्चित तौर पर लोगों में लाट को लेकर भावनाएं जुड़ी हैं. लेकिन मेरा मानना है कि हमें आगे बढ़ना होगा. जनवरी के शुरुआती दो हफ्तों में लाट और यूरो दोनों चलेगा. लातविया ने 11 करोड़ यूरो के नोट और 40 करोड़ यूरो के सिक्के मंगाए हैं. यूरोपीय संघ ने देश के आर्थिक नियमों पर संतुष्टि जताई है. लातविया 2004 से ही यूरोपीय संघ का सदस्य है. ब्रिटेन और डेनमार्क को छोड़ कर धीरे धीरे सभी संघ सदस्यों को यूरोजोन में शामिल होना है.

अब यहां यूरो क्षेत्र की मुद्रा का इस्तेमाल किया जाएगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक लातविया 2004 में यूरोपीय संघ का सदस्य बना था। उसने एक जनवरी, 2014 को यूरोजोन में शामिल होने का फैसला 2010 में ही कर लिया था।

विश्लेषकों का मानना है कि यूरोजोन में शामिल होने से लातविया को आर्थिक विकास के लिए यूरोपीय संघ का मजबूत आधार मिलेगा और चीन, अमेरिका, कनाडा तथा जापान जैसे देशों के साथ भी व्यापार में सुविधा हासिल होगी, क्योंकि यूरोपीय संघ के साथ इन देशों का आपसी निवेश और मुक्त व्यापार समझौता है।

यही नहीं यूरोजोन में शामिल होने से लातविया की मुद्रा का अवमूल्यन हो सकता है, जिससे उसका निर्यात बढ़ने का अनुमान है। पिछले दो सप्ताहों से लातविया में यूरो और स्थानीय मुद्रा लाट साथ–साथ प्रचलन में है, लेकिन लाट की वैधता 15 जनवरी से समाप्त हो जाएगी। तीन बाल्टिक देशों में लातविया यूरो अपनाने वाला दूसरा देश है। इससे पहले 2011 में इस्टोनिया ने यूरो को अपनाया था।

भारत और विश्व

अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा सूचकांक में भारत की स्थिति सबसे न्यूनतम

28 जनवरी 2014 को अमेरिकी वाणिज्य चैंबर ने अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (आईपी) सूचकांक जारी किया. आईपी सूचकांक में भारत को अधिकतम 30 अंक में से न्यूनतम सात अंक प्राप्त हुए. भारत लगातार दूसरे वर्ष इस सूचकांक में शामिल सभी देशों में सबसे कमजोर आईपी देश बना हुआ है. नवाचार को बढ़ावा देने और रचनाकारों की रक्षा के लिए भारत की प्रतिबद्धता के बारे में अनिवार्य लाइसेंस, पेटेंट खण्डन, और कमजोर विधायी और प्रवर्तन तंत्र के निरंतर उपयोग की गंभीर चिंताएं बढ रहीं हैं.

आईपी सूचकांक के मुख्य बिंदु

- संयुक्त राज्य अमेरिका ने उच्चतम (28.5 प्रतिशत) समग्र स्कोर प्राप्त किया, लेकिन प्रवर्तन वर्ग में ब्रिटेन और फ्रांस के बाद वह तीसरे नंबर पर है.
- चीन की आईआईपी परिवेश में चुनौतियां जारी हैं (गुप्त संरक्षण और प्रवर्तन ट्रेड) और जो कि उसके पेटेंट कानून के कुछ पहलुओं में सुधार को दर्शाता है.
- कनाडा के दवा पेटेंट के उपचार, कॉपीराइट कानून और अंतरराष्ट्रीय आईपी संधियों में पुष्टि करने की अनिच्छा अन्य ऊपरी आय अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी कम अंकों में हुई है.

आईपी वातावरण में वृद्धि और विकास के

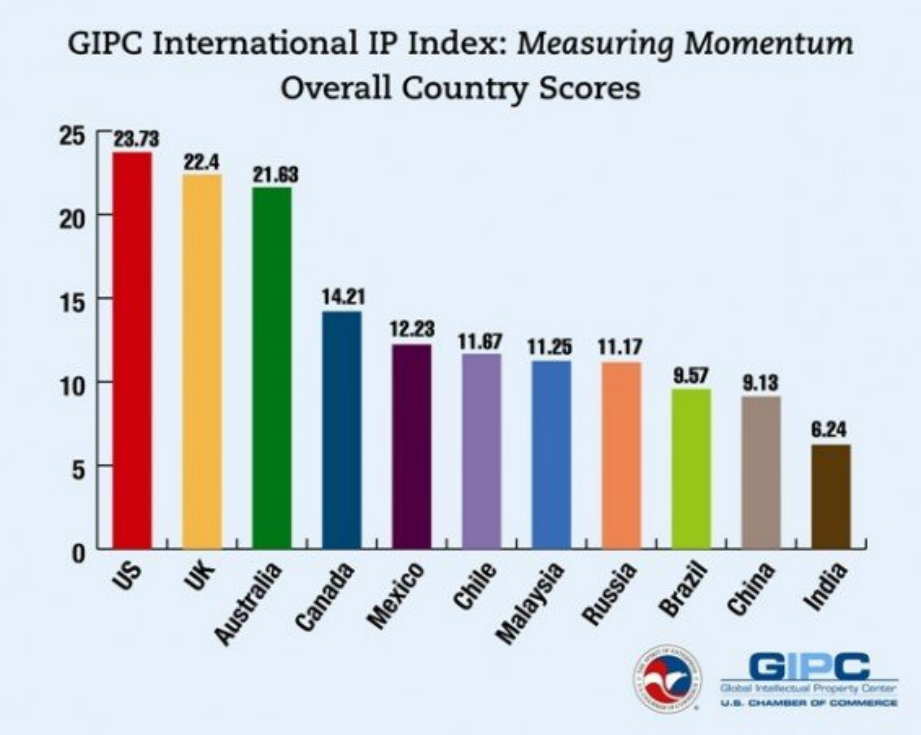

बढने के संकेत मिल रहे हैं, अंतर्राष्ट्रीय आईपी सूचकांक को 30 कारकों का उपयोग कर दुनिया भर से 25 देशों के आईपी परिवेश के नक्शे को अमेरिकी वाणिज्य चौंबर के विश्व बौद्धिक संपदा केंद्र (GIPC) द्वारा तैयार किया जाता है.

वर्ष 2010 में, भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति ने भारत अगले 10 सालों को 'नवाचार के दशक' घोषित किया था. नवाचार को बढ़ावा देने का मतलब, घरेलू नवीन आविष्कारों और रचनाकारों की रक्षा करना, विश्व स्तरीय अनुसंधान और विकास को आकर्षित करना और एक मजबूत बौद्धिक संपदा (आईपी) प्रणाली के माध्यम से भविष्य में उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां उत्पन्न करना है. हालांकि, हाल की नीतियों, विनियामक और कानूनी फैसलों से देश में खराब आईपी अधिकारों, से भारत की छवि अंतरराष्ट्रीय समुदाय में एक बाहरी की हो रही है.

अर्थव्यवस्था/वाणिज्य

भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर .25 प्रतिशत बढ़ाकर 8 प्रतिशत की

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत रेपो दर में 0.25 प्रतिशत वृद्धि की. जिससे रेपो दर 7.75 प्रतिशत से बढ़कर 8.0 प्रतिशत हो गई. इसके अलावा, इसके शुद्ध मांग और समय दायित्व (एनडीटीएल) में बैंकों के नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कोई परिवर्तन ना करते हुए 4 प्रतिशत ही रखा गया गया.

भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर बढ़ाने और अपरिवर्तित सीआरआर रखने का निर्णय की घोषणा 28 जनवरी 2014 को अपनी तीसरी तिमाही मौद्रिक नीति की समीक्षा के बाद की. नतीजतन, एलएएफ के तहत रिवर्स रेपो दर 7 प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिग फैसिलिटी (एमएसएफ) दर एवं बैंक दर 9.0 प्रतिशत है.

तीसरी तिमाही नीति समीक्षा के मुख्य बिन्दु

- वैश्विक अनिश्चितता और बढ़ रही घरेलू अनिश्चिता की संभावनाएं कुछ उभरती अर्थव्यवस्थाओं के चारों ओर बनी हुई हैं. वित्तीय बाजार को छूट देना एक स्पष्ट संभावित खतरा है.
- रबी की बुआई में एक मजबूत बढ़त के बावजूद घरेलू स्तर पर वित्तवर्ष 2013–14 की तीसरी तिमाही में विकास की गति के कुछ नुकसान होने की संभावना है.
- वित्तवर्ष 2013–14 के लिए चालू खाता घाटा (सीएडी) वित्तवर्ष 2012–13 के 4.8 प्रतिशत की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद के 2.5 प्रतिशत से नीचे रहने की संभावना है.
- आगामी 12 माह के शीर्ष , और वर्तमान नीति के रुख के साथ वित्तवर्ष 2014–15 में सीपीआई मुद्रास्फीति का 8 प्रतिशत के पार होने का खतरा है.
- वास्तविक जीडीपी विकास दर 5.5 फीसदी के केंद्रीय अनुमान के आसपास संतुलित जोखिम के साथ वित्तवर्ष 2014–15 में 5 से 6 प्रतिशत की एक श्रृंखला और वित्तवर्ष 2013–14 में 5 प्रतिशत से नीचे होने उम्मीद की जा सकती है.
- डॉ. उर्जित पटेल समिति की सिफारिश के बाद मौद्रिक नीति समीक्षा आमतौर पर व्यापक आर्थिक और वित्तीय डाटा की उपलब्धता के साथ लगातार दो मासिक चक्र में शुरू हो जाएगी. तदनुसार अगली नीति की समीक्षा 1 अप्रैल 2014 को होगी.

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर आनंद सिन्हा सेवानिवृत्त

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर आनंद सिन्हा 20 जनवरी 2014 को सेवानिवृत्त हो गए.

उनका पोर्टफोलियो अन्य तीन उप गवर्नरों को आवंटित किया गया है. सेवानिवृत्ति से पहले श्री सिन्हा नए बैंकों के लिए लाइसेंस देने की प्रक्रिया के साथ साथ निजी क्षेत्रों को लाइसेंस देने की प्रक्रिया को देख रहे थे. नए लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया अब तक अधूरी है.

पीजे नायक समिति

भारतीय रिजर्व बैंक ने एक्सिस बैंक के पूर्व अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी पीजे नायक की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन 20 जनवरी 2014 को किया. इस विशेषज्ञ समिति का गठन भारत में बैंकों के निदेशक–मंडलों के अभिशासन की समीक्षा करने के लिए किया गया. समिति में आठ अन्य सदस्य एस. रमन, शुभलक्ष्मी पनसे, प्रतीप कार, जॉयदीप सेनगुप्ता, हर्ष वर्धन, सोमशेखर सुंदरेसन, जे. सागर और कृष्णमूर्ति सुब्रमणियन हैं.

समिति के विचारणीय विषय

- भारत में बैंकों के निदेशक–मंडलों की विनियामक अनुपालन अपेक्षाओं की समीक्षा करना.
- यह निर्णय करना कि क्या चीज ठीक की जा सकती है और कहाँ अपेक्षाओं में वृद्धि आवश्यक है.
- बैंकों के निदेशक–मंडलों की कार्यप्रणाली की जाँच करना, जिसमें यह देखना शामिल है कि क्या रणनीति, संवृद्धि, अभिशासन और जोखिम–प्रबंधन के मुद्दों को पर्याप्त समय दिया जाता है.
- बैंक–स्वामित्व, स्वामित्व–संकेंद्रण और निदेशक–मंडल में प्रतिनिधित्व के संबंध में केंद्रीय बैंक विनियामक दिशानिर्देशों की समीक्षा करना.
- निदेशक–मंडलों में संस्था के अभिशासन के लिए क्षमताओं और आवश्यक स्वतंत्रता के उचित सामंजस्य का मूल्यांकन करना.
- निदेशक–मंडलों में प्रतिनिधित्व का विश्लेषण करना, और निदेशक–मंडल के प्रतिनिधित्व में हितों के संभावित संघर्ष का अन्वेषण करना, जिसमें स्वामी–प्रतिनिधि और विनियामक शामिल हैं. इस संबंध में वह बैंकों में निदेशकों के समस्त वर्गों के लिए श्उपयुक्त और उचितश मानदंड का मूल्यांकन और समीक्षा भी करेगी, जिसमें निदेशक का कार्यकाल भी शामिल है.
- निदेशक–मंडलों को की जाने वाली क्षतिपूर्ति के दिशानिर्देशों और बैंकों के निदेशक–मंडलों की कार्यप्रणाली तथा उनके द्वारा किए जाने वाले अभिशासन से संबंधित किसी अन्य मुद्दे की जाँच करना.

समिति द्वारा अपनी पहली बैठक की तारीख से तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दिए जाने की आशा है.

ज्ञातव्य हो कि इस समिति से पहले, भारीतय रिजर्व बैंक ने ऐसा ही एक पैनल वर्ष 2002 में एएस गांगुली की अध्यक्षता में गठित किया था और उससे निदेशक–मंडलों के सदस्यों की भूमिका को और अधिक प्रभावशाली बनाने के तरीके ढूँढ़ने के लिए सुझाव देने को कहा था. उसके द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट मुख्यतरू निजी बैंकों पर लागू हुई थी.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

इसरो ने जीएसएलवी डी–5 का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने बड़ी कामयाबी हासिल की है. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का जीएसएलवी सफलतापूर्वक प्रक्षेपण हुआ है.

इसके साथ ही भारत उन देशों के क्लब में शामिल हो गया है जिनके पास क्रायोजेनिक तकनीक है.

स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन वाले जीएसएलवी डी–5 ने जीसैट–14 संचार उपग्रह को सफलतापूर्व उसकी कक्षा में स्थापित कर दिया.

इसरो के चेयरमैन के राधाकृष्णन ने लॉन्च के बाद कहा, ष्ये एक बड़ी उपलब्धि है. मैं ये बताते हुए बहुत प्रसन्न और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि इसरो ने ये कर दिखाया है. हमें 20 सालों की मेहनत का फल मिला है.

इससे पहले तीन बार ये क्रायोजेनिक इंजन नाकाम रहा था. पहली बार तो क्रायोजेनिक इंजन का एक बूस्टर पंप जाम हो गया था और दूसरी बार जब इसका लॉन्च हुआ था तो इसके कुछ कनेक्टर फेल हो गए थे. इस कारण रॉकेट को हवा में ही नष्ट करना पड़ा था.

लेकिन पिछली बार अगस्त 2013 में इसरो को तब एक बड़ा धक्का लगा था जब 74 मिनट पहले ही इसी रॉकेट में एक लीक की जानकारी मिली थी. इस रॉकेट के सफल प्रक्षेपण से दूसरे देशों के संचार उपग्रह भी भारत के लॉन्च पैड से छोड़े जा सकेंगे. इसकी कामयाबी इसलिए भी अहम है क्योंकि पिछले 20 साल में कोई देश ऐसा नहीं है जिसने क्रायोजेनिक तकनीक का विकास किया हो.

पर्यावरण/पारिस्थितिकी

वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक 2014

वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक–2014 (EIP - Environmental Performance Index 2014) 25 जनवरी 2014 को जारी किया गया. वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक के अनुसार भारत को पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के समाधान के अपने प्रयासों में सूचकांक–स्कोर 31.23 पॉइंट्स के साथ 178 देशों में से 155वां स्थान प्राप्त हुआ.

वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक में चीन को 118वां, पाकिस्तान को 148वां और नेपाल को 139वां स्थान प्राप्त हुआ. भारत अपने इन सभी पड़ोसी देशों से इस सूचकांक में पीछे है.

ब्रिक्स देशों में से दक्षिण अफ्रीका को 72वां स्थान प्राप्त हुआ, जबकि रूस 73वें, ब्राजील 77वें और चीन 118वें स्थान पर रहा.

वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक में देशों के स्थान–निर्धारण पर्यावरण से होने वाले नुकसान से मानव–स्वास्थ्य की रक्षा और पारिस्थितिक तंत्र (ईको–सिस्टम) की सुरक्षा के क्षेत्रों में सम्बंधित देशों द्वारा उच्च प्राथमिकताप्राप्त पर्यावरणीय मुद्दों के संबंध में उनके निष्पादन के आधार पर किया जाता है.

ईपीआई की अन्य विशेषताएँ

- ईपीआई 2014 की सर्वसमावेशक संरचना उपलब्ध करने वाले दो उद्देश्य हैं पर्यावरणीय स्वास्थ्य और पारिस्थितिक तंत्र का स्थायित्व.
- सूचकांक में शामिल 178 देश 99 प्रतिशत वैश्विक जनसंख्या, 98 प्रतिशत विश्व के कुल भूमि–क्षेत्र और 97 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी का प्रतिनिधित्व करते हैं.
- सर्वोच्च ईपीआई वाला देश स्विट्जरलैंड है, जिसके बाद लग्जमबर्ग, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और चेक रिपब्लिक आते हैं.
- ईपीआई के सबसे निचले निष्पादक देश हैं–सोमालिया, माली, हैती, लेसोथो और अफगानिस्तान. ये सभी न्यून निष्पादक देश जन–आंदोलन, आर्थिक विकास के भरी दबावों और राजनीतिक अशांति से ग्रस्त हैं.
- हवा की गुणवत्ता, जैव–विविधता और प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा की दृष्टि से पर्यावरणीय सुरक्षा–उपायों में पर्याप्त निवेश किए बिना होने वाला शहरीकरण उभरती अर्थव्यवस्थाओं के खराब प्रदर्शन का मुख्य कारण है.

वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक (ईपीआई) येल और कोलंबिया यूनिवर्सिटीज द्वारा विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के सहयोग से और साथ ही सैमुअल फैमिली फाउंडेशन तथा माइककॉल माइकबेन फाउंडेशन की सहायता से तैयार किया जाता है.

पर्यावरण निष्पादन सूचकांक (ईपीआई) राष्ट्र–स्तरीय पर्यावरण–डाटा को प्रतिबिंबित करने वाले 20 संकेतकों की गणना और समूहन द्वारा संरचित किया जाता है. इन संकेतकों को नौ मुद्दों की श्रेणी में संयुक्त किया जाता है, जिनमें से प्रत्येक मुद्दा दो सर्वसमावेशक उद्देश्यों में फिट होता है.

पुरस्कार/सम्मान

71वें गोल्डन ग्लोब अवार्ड 2014

निर्देशक डेविड ओ रसेल की फिल्म 'अमेरिकन हसल' को सर्वश्रेष्ठ कॉमेडी और संगीत श्रेणी के लिए 71वें गोल्डन ग्लोब अवार्ड से नवाजा गया है।

इसकी कलाकारों एमी एडम्स और जेनिफर लॉरेंस को क्रमशरू मुख्य और सह अभिनेत्री श्रेणियों के लिए इस पुरस्कार से नवाजा गया।

गोल्डन ग्लोब अवार्ड्स 2014 में '12 ईयर्स ए स्लेव' को सर्वश्रेष्ठ ड्रामा श्रेणी में पुरस्कार मिला । इसका निर्देशन स्टीव मैक्क्वीन ने किया है।

'ग्रेविटी' फिल्म के अल्फोंसो कुआरोन को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के पुरस्कार से नवाजा गया । इस दौड़ में उन्होंने रसेल, मैक्क्वीन और स्पाइक जोंज जैसी हस्तियों को शिकस्त दी।

लियोनार्दो डिकैप्रियो को संगीतमय अथवा कॉमेडी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के रूप में चुना गया। उन्हें यह पुरस्कार 'द वुल्फ ऑफ वाल स्ट्रीट' में उनकी भूमिका के लिए मिला।

अभिनेता ने फिल्म के निर्देशक मार्टिन स्कोर्सेसे की सराहना की और निर्देशन के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।

केट ब्लैंचेट को मोशन पिक्चर ड्रामा श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार उन्हें वुडी एलन की फिल्म 'ब्लू जैस्मिन' में उनकी भूमिका के लिए दिया गया।

इस 44 वर्षीय अदाकारा को पूर्व में भी दो बार गोल्डन ग्लोब अवार्ड मिल चुका है। 1998 में उन्हें शेखर कपूर निर्देशित फिल्म

'एलिजाबेथ' में महारानी एलिजाबेथ की भूमिका के लिए गोल्डन ग्लोब पुरस्कार मिला था। 2007 में उन्हें 'आई एम नॉट देयर' फिल्म के लिए यह पुरस्कार मिला था।

ब्लैंचेट ने इस दौड़ में जूडी डेंच, एम्मा थांप्सन और केट विंस्लेट को पछाड़ा। मोशन पिक्चर ड्रामा श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मैथ्यू मैक्कॉनाउघे को 'डल्लास बायर्स

क्लब' में भूमिका के लिए मिला । उन्होंने इस दौड़ में चिवेटल एजिओफर, इदरिस अल्बा, टॉम हैंकस और रॉबर्ट रेडफोर्ड को पटखनी दी।

मैक्कॉनाउघे का यह पहला ग्लोब नामांकन अथवा जीत है।

अन्य फिल्म पुरस्कारों में स्पाइक जोंज को 'हर' फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ पटकथा का अवार्ड मिला। जेर्ड लेटो को 'डल्लास बायर्स क्लब' में एक ट्रांसजेंडर महिला की भूमिका निभाने के लिए सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता का पुरस्कार मिला।

एलिजाबेथ मॉस को थ्रिलर 'टॉप ऑफ द लेक' के लिए टीवी मिनिस्ट्रीज अथवा फिल्म श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार हासिल हुआ।

जैकलिन बिसेट को टीवी मिनस्ट्रीज 'डांसिंग ऑफ द एज' के लिए सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।

रामानुजन गणित पुरस्कार 2014

सुपर 30 कक्षाओं के संस्थापक एवं गणितज्ञ आनंद कुमार को वर्ष 2014 के रामानुजन गणित पुरस्कार से सम्मानित किया गया. यह पुरस्कार उन्हें गुजरात के राजकोट में आयोजित आठवीं राष्ट्रीय गणित कन्वेंशन में 27 जनवरी 2014 को दिया गया.

यह संस्था वंचितों परिवारों में से चयनित 30 छात्रों को आईआईटी जेईई प्रवेश परीक्षा में निःशुल्क आवासीय एवं कोचिंग सुविधा उपलब्ध कराती है.

पुरस्कार के रूप में 20000 रुपए की नकद राशि परमाणु वैज्ञानिक पीताम्बर पटेल एवं जेजे रावल द्वारा आनंद कुमार को प्रदान किया गया.

रामानुजन गणित पुरस्कार से संबंधित तथ्य

- रामानुजन गणित पुरस्कार एक वार्षिक पुरस्कार है. यह पुरस्कार उस व्यक्ति को दिया जाता है, जिसके कम से कम तीन पत्र अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हो और वह व्यक्ति गणित के शिक्षण में शामिल हो.
- प्रथम रामानुजन पुरस्कार से वर्ष 2005 में ब्राजील के मार्सेलो वियाना को सम्मानित किया गया.
- वर्ष 2006 में इस पुरस्कार से भारत की सुजाता रामादोरई को सम्मानित किया गया था.
- वर्ष 2010 में आनंद कुमार को बिहार सरकार द्वारा सर्वोच्च शिक्षा पुरस्कार मौलाना अब्दुल कलाम आजाद पुरस्कार सम्मानित किया गया.
- स्नातक की पढ़ाई के दौरान ब्रिटेन के गणितीय स्पेक्ट्रम एवं गणितीय राजपत्र में संख्या सिद्धांत पर आनंद कुमार का पत्र प्रकाशित किया गया.
- आनंद कुमार को तीन बार अमेरिका गणितीय एसोसिएशन एवं अमेरिकन गणितीय सोसायटी गणितीय ने संयुक्त रूप से आमंत्रित किया.
- सुपर 30 संस्था को आनंद कुमार ने गणित के रामानुजन स्कूल के नाम से वर्ष 2002 में बिहार के पटना में स्थापित किया.
- यह संस्था वंचितों परिवारों में से चयनित 30 छात्रों को आईआईटी जेईई प्रवेश परीक्षा में निःशुल्क आवासीय एवं कोचिंग सुविधा

उपलब्ध कराती है. सुपर 30 संस्था ने सामाजिक जागृति के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की है.

- सुपर 30 संस्था को टाइम पत्रिका ने वर्ष 2010 में एशिया की सर्वश्रेष्ठ सूची में शामिल किया था.
- सुपर 30 संस्था को न्यूजवीक पत्रिका द्वारा दुनिया में चार सबसे अभिनव स्कूलों की सूची में शामिल किया गया.

59वें आईडिया फिल्मफेयर अवॉर्ड 2013 घोषित

59वें आईडिया फिल्मफेयर अवॉर्ड 2013 24 जनवरी 2014 को दिए गए. इस समारोह में फिल्म भाग मिल्खा भाग ने सात पुरस्कार जीते. सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार भाग मिल्खा भाग फिल्म में शानदार अभिनय करने वाले अभिनेता फरहान अख्तर को मिला. फिल्म रामलीला में बेहतरीन अदाकारी के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दीपिका पदुकोणे को दिया गया.

फिल्म भाग मिल्खा भाग को सर्वश्रेष्ठ फिल्म के साथ इसके निर्देक ओमप्रकाश मेहरा को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला. बीते जमाने की अभिनेत्री तनुजा को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया.

पुरस्कार इस प्रकार है :

- सर्वश्रेष्ठ डेब्यू डायरेक्टर का पुरस्कार – रीतेश बत्रा (द लंचबॉक्स)
- सर्वश्रेष्ठ डेब्यू (अभिनेता) – धनुष (रांझना)
- सर्वश्रेष्ठ डेब्यू (अभिनेत्री) – वाणी कपूर (शुद्ध देसी रोमांस)
- सर्वश्रेष्ठ फिल्म (क्रिटिक्स) – रीतेश बत्रा (द लंचबॉक्स)
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रिटिक्स) – शाहीद कपूर (राजकुमार राव)
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (क्रिटिक्स) – शिल्पा शुक्ला (बीए पास)
- सर्वश्रेष्ठ पटकथा – अभिषेक कपूर, चेतन भगत, सुप्रतीक सेन और पुलाबी चौधरी (काई पो चे)
- सर्वश्रेष्ठ कहानी – सुभाष कपूर (जॉली एलएलबी)
- सर्वश्रेष्ठ सहदृ अभिनेता – नवाजुद्दीन सिद्दीकी (द लंचबॉक्स)
- सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेत्री – सुप्रिया पाठक कपूर (गोलियों की रासलीलादृ रामलीला)
- सर्वश्रेष्ठ संगीत – जीत गांगुली, मिथुन और अंकित तिवारी (आशिकी 2)
- सर्वश्रेष्ठ गीत – जिंदा के लिए प्रसून जोशी (भाग मिल्खा भाग)
- सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक – अरीजित सिंह (तुम ही हो, आशिकी 2)
- सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका – मोनाली ठाकुर (सवांर लूं, लुटेरा)

56वें वार्षिक ग्रैमी पुरस्कार 2014

संयुक्त राज्य अमेरिका की रिकॉर्डिंग अकादमी ने 26 जनवरी 2014 को लॉस एंजिल्स के स्टेपल्स सेंटर में 56 वें वार्षिक ग्रेमी पुरस्कार 2014 की घोषणा की. प्रत्येक वर्ष ग्रैमी पुरस्कार सिर्फ संगीत से जुड़े कलाकारों को ही प्रदान किये जाते हैं.

श्रेणी	एल्बम	कलाकार का नाम
वर्ष के एल्बम	रैंडम एक्सेस यादें	डाफट पंक
रिकॉर्ड ऑफ द ईयर	गेट लकी	डाफट पंक, फर्रेल्ल विलियम्स एवं नील रोजर्स
नए कलाकार	रिक्त	मक्क्लेमोरे एवं रयान लुईस
वर्ष के गीत	रॉयल्स	लोर्ड
बच्चों की एल्बम	चाह में एक पैसा फेंको	जेनिफर गसोई
पॉप एकल प्रदर्शन	रॉयल्स	लोर्ड

ग्रैमी पुरस्कार से संबंधित तथ्य

- ग्रैमी पुरस्कार से कलाकारों, कलात्मक और तकनीकी उपलब्धि के लिए तकनीकी पेशेवरों को सम्मानित किया जाता है.
- प्रथम ग्रैमी पुरस्कार समारोह 4 मई 1959 को लॉस एंजिल्स में आयोजित किया गया था.
- ग्रेमी पुरस्कार को मूलतः ग्रामोफोन पुरस्कार भी कहा जाता है.
- ग्रेमी पुरस्कार रिकॉर्डिंग उद्योग का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है. यह पुरस्कार रिकॉर्डिंग अकादमी द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाता है.
- रिकॉर्डिंग अकादमी को "नेशनल एकेडमी एवं रिकॉर्डिंग आर्ट्स एंड साइंस" के रूप में भी जाना जाता है.
- इस अकादमी को संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्ष 1957 में स्थापित किया गया था.
- वर्ष 2013 तक केवल चार भारतीयों को ही ग्रैमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है.
- सितार वादक पंडित रवि शंकर वर्ष 1967 में ग्रेमी पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले भारतीय संगीतकार थे. उन्हें इस पुरस्कार से वर्ष 1972 एवं वर्ष 2001 में भी सम्मानित किया गया.
- तबला वादक जाकिर हुसैन को सर्वश्रेष्ठ विश्व संगीत श्रेणी में अपने एलबम "ग्रह ड्रम" के लिए वर्ष 1992 में ग्रेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया.
- वीणा वादक विश्वमोहन भट्ट को वर्ष 1994 में गिटार गुरु री कोदर के साथ सयुंक्त रूप से ग्रेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया.
- वर्ष 2010 में भारतीय संगीतकार ए आर रहमान को ग्रेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

- आरडी बर्मन पुरस्कार – सिद्धार्थ महादेवन
- सर्वश्रेष्ठ एक्शन – थॉमस स्ट्रूथर्स और गुरु बच्चन (डी डे)
- सर्वश्रेष्ठ छायांकन – कमलजीत नेगी (मद्रास कैफे)
- सर्वश्रेष्ठ संपादन – आरिफ शेख (डी डे)
- सर्वश्रेष्ठ पोषाक – डॉली अहलूवालिया (भाग मिल्खा भाग)

राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भावना पुरस्कार 2013

समाज एवं धर्मनिरपेक्षता अध्ययन केंद्र (सीएसएसएस), मुंबई को 25 जनवरी 2014 को संगठन श्रेणी में राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भावना पुरस्कार 2013 के लिए चुना गया. व्यक्तिगत श्रेणी में दिल्ली के डॉ. मोहिन्दर सिंह और केरल के एन राधाकृष्णन को चुना गया.

पुरस्कार में प्रत्येक श्रेणी में एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है. इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत श्रेणी में प्रत्येक विजेता को पांच लाख रुपये का नकद पुरस्कार और संगठन श्रेणी में दस लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है.

- समाज एवं धर्मनिरपेक्षता अध्ययन केंद्र (सीएसएसएस) मुंबई स्थित एक संगठन है जिसकी स्थापना 1996 में देश में शांति, धर्मनिरपेक्षता एवं सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ाने के लिए किया गया था.
- इसके साथ ही यह मानवाधिकारों से संबंधित मुद्दों और समाज में हाशिए पर खड़े लोगों और वंचितों से जुड़े मुद्दों पर भी काम कर रहा है.
- 72 वर्षीय मोहिन्दर सिंह एक विद्वान होने के साथ राष्ट्रीय अलपसंख्यक शिक्षण संस्थान आयोग के वर्तमान सदस्य भी हैं. वे साल 2005 से 2007 तक राष्ट्रीय धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य भी थे.
- साल 1984 में अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने दिल्ली में सिक्ख विरोधी दंगों के मद्देनजर राहत शिविरों का आयोजन किया था और हिन्दूओं और सिक्खों के बीच दोस्ती कायम करने में मदद की थी.
- साल 1985 में डॉ. निर्मला देशपांडे के साथ मिलकर उन्होंने सांप्रदायिक सद्भाव फोरम की स्थापना उन्होंने की थी जिसने लगभग

चार वर्षों तक काम किया और अंतरविश्वास बैठकों के आयोजन और सदस्यों के साथ पवित्र स्थलों की यात्रा की.

- 69 वर्षीय डॉ. एन राधाकृष्णन एक गांधीवादी विद्वान और शांति दूत हैं.
- इन्होंने गांधीग्राम विश्वविद्यालय में शांति सेना कार्यक्रम की शुरुआत की थी और इसे देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाया.
- ये तमिलनाडु और केरल के सांप्रदायिक तनाव वाले क्षेत्रों में शांति बहाल करने के लिए सक्रिय रूप से काम करते रहे हैं .
- इनके हिमसमुख भारत आंदोलन ने लोगों को शांति और सतत विकास में पैदल सैनिकों के रुप में जुड़ने को प्रेरित किया.

राष्ट्रीय सांप्रादायिक सद्भाव पुरस्कार की स्थापना भारत सरकार के गृह मंत्रालय के स्वायत्त संगठन राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव संगठन (एनएफसीएच) द्वारा 1996 में की गई थी. यह पुरस्कार सांप्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया था. इसकी स्थापना व्यक्ति विशेष या संगठनों द्वारा सांप्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के प्रयासों की प्रशंसा और मान्यता देने के उद्देश्य से की गई थी.

केंद्र सरकार ने वर्ष 2014 के लिए पद्म पुरस्कारों की घोषणा की

केंद्र सरकार ने 65वें गणतंत्र दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी 2014 को 127 पद्म सम्मानों की घोषणा की. वर्ष 2014 के पदम पुरस्कारों में दो व्यक्तियों को पद्म विभूषण, चौबीस व्यक्तियों को पद्म भूषण एवं 101 व्यक्तियों को पद्म श्री पुरस्कार देने की घोषणा की गयी. इन पुरस्कारों के विजेताओं में 27 महिलाओं एवं 10 व्यक्ति विदेशी/अप्रवासी भारतीयध्भारतीय मूल के व्यक्तियों और मरणोपरान्त व्यक्तियों की श्रेणियां शामिल हैं. इन पुरस्कारों में एक संयुक्त पुरस्कार भी सम्मिलित है.

पद्म सम्मान सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार हैं. यह पुरस्कार तीन अलग अलग श्रेणियों "पद्म विभूषण" असाधारण एवं विशिष्ट सेवा, "पद्म भूषण" उत्कृष्ट कोटि की विशिष्ट सेवा एवं "पद्म श्री" किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के फलस्वरूप प्रदान किया जाता है. ये पुरस्कार विभिन्न क्षेत्रों जैसे कला, समाज सेवा, लोक–कार्य, विज्ञान एवं इंजीनियरी, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल–कूद, सिविल सेवा इत्यादि के संबध में प्रदान किए जाते हैं.

इन पुरस्कारों की घोषणा प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है. ये पुरस्कार सामान्यतः मार्च/अप्रैल माह में राष्ट्रपति भवन में आयोजित किये जाने वाले सम्मान समारोहों में भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं.

- पद्म सम्मान वर्ष 1954 में स्थापित किया गया. संक्षिप्त रुकावट वर्ष 1978–1979 एवं 1993–1997 के अलावा यह पुरस्कार प्रत्येक गणतंत्र दिवस पर घोषित किया जाता है.
- "पद्म विभूषण" असाधारण एवं विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है.
- "पद्म भूषण" उत्कृष्ट कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है.
- "पद्म श्री" किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है.
- उच्च श्रेणी का पद्म पुरस्कार (पद्म विभूषण/पद्म भूषण) उस व्यक्ति को प्रदत्त किया जाता है, जिसे कम से कम पांच वर्ष पूर्व पद्म पुरस्कार दिया गया हो.
- पद्म पुरस्कारो की कुल संख्या एक साल में (मरणोपरांत एवं विदेशियों को छोड़कर) 120 से अधिक नहीं होनी चाहिए.
- पद्म पुरस्कार विजेताओं के नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित होते है.
- राष्ट्रपति किसी भी व्यक्ति का पुरस्कार रद्द कर सकता है.
- राष्ट्रपति पुरस्कार के तहत एक पदक, सील एवं हस्ताक्षर कृत सनद (प्रमाण पत्र) देते है.
- एक स्मारक विवरणिका में प्रत्येक पुरस्कार विजेता का संक्षिप्त विवरण अलंकरण समारोह के दिन जारी किया जाता है.
- पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को पदक की प्रतिकृति भी दी जाती है. जिसे वे किसी औपचारिक/राज्य कार्यों के दौरान पहन सकते हैं.

पद्म पुरस्कारों विजेताओं की सूची

पदम विभूषण

क्र.सं.	नाम	क्षेत्र	राज्य/निवास–स्थान
1	डॉ रघुनाथ ए. माशेलकर	विज्ञान एवं इंजीनियरी	महाराष्ट्र
2	श्री बी. के. एस. अयंगर	अन्य– योग विद्या	महाराष्ट्र

पदम भूषण

1	प्रो. गुलाम मोहम्मद शेख	कला	गुजरात
2	बेगम परवीन सुल्ताना	कला	महाराष्ट्र
3	श्री टी. एच. विनायकराम	कला	तमिलनाडु
4	श्री कमल हासन	कला	तमिलनाडु
5	जस्टिस दलबीर भण्डारी	लोककार्य	दिल्ली
6	प्रो. पदमनाभन बलराम	विज्ञान एवं इंजीनियरी	कर्नाटक
7	प्रो. ज्येष्ठराज जोशी	विज्ञान एवं इंजीनियरी	महाराष्ट्र
8	डॉ मडप्पा महादेवप्पा	विज्ञान एवं इंजीनियरी	कर्नाटक
9	डॉ थिरूमलाचारी रामासामी	विज्ञान एवं इंजीनियरी	दिल्ली
10	डॉ विनोद प्रकाश शर्मा	विज्ञान एवं इंजीनियरी	दिल्ली
11	डॉ राधाकृष्ण कोप्पीलिल	विज्ञान एवं इंजीनियरी	कर्नाटक
12	डॉ मृत्युंजय अथ्केया	साहित्य एवं शिक्षा	दिल्ली
13	सुश्री अनीता देसाई	साहित्य एवं शिक्षा	दिल्ली
14	डॉ धीरूभाई ठाकेर	साहित्य एवं शिक्षा	गुजरात
15	श्री वैरामूत्थु रामासामी थेवर	साहित्य एवं शिक्षा	तमिलनाडु
16	श्री रस्कीन बॉन्ड	साहित्य एवं शिक्षा	उत्तराखण्ड
17	श्री पुलेला गोपीचंद	खेल	आन्ध्र प्रदेश
18	श्री लिएण्डर पेस	खेल	महाराष्ट्र
19	श्री विजयेन्द्र नाथ कौल	सिविल सेवा	दिल्ली
20	स्व. जस्टिस जगदीश शरण वर्मा	लोककार्य	उत्तर प्रदेश (मरणोपरांत)
21	स्व. डॉ ओनुमोलू रामाकृष्णा	विज्ञान एवं इंजीनयरी	आंध्र प्रदेश (मरणोपरांत)
22	प्रो. अनीसुज्जमान	साहित्य एवं शिक्षा	बांग्लादेश'
23	प्रो. लॉयड आई. रुडोल्फ	साहित्य एवं शिक्षा	यू.एस.ए.'

	प्रो. सुजैन एच रुडोल्फ	साहित्य एवं शिक्षा	यू.एस.ए.'
24	डॉ. श्रीमती निलम क्लेर	चिकित्सा	दिल्ली

पद्म श्री

1	श्री मोहम्मद अली बेग	कला	आंध्र प्रदेश
2	सुश्री नैना आप्टे जोशी	कला	महाराष्ट्र
3	श्री मुसाफिर राम भारद्वाज	कला	हिमाचल प्रदेश
4	सुश्री सावित्री चटर्जी	कला	पश्चिम बंगाल
5	प्रो. बिमन बिहारी दास	कला	दिल्ली
6	श्री सुनील दास	कला	पश्चिम बंगाल
7	श्रीमती एलम इन्दिरा देवी	कला	मणिपुर
8	श्री विजय घाटे	कला	महाराष्ट्र
9	श्रीमती रानी कर्णा	कला	पश्चिम बंगाल
10	श्री बंशी कौल	कला	जम्मू एवं कश्मीर
11	उस्ताद मोइनुद्दीन खान	कला	राजस्थान
12	सुश्री गीता महालिक	कला	दिल्ली
13	श्रीमती परेश मैती	कला	दिल्ली
14	श्री राम मोहन	कला	महाराष्ट्र
15	श्री सुदर्शन पटनायक	कला	ओडिशा
16	श्री परेश रावल	कला	महाराष्ट्र
17	श्री वेण्डल ऑगस्टीन रॉड्रीक्स	कला	गोवा
18	प्रो. कलामण्डलम सत्यभामा	कला	केरल
19	श्री अनुज (रामानुज) शर्मा	कला	छत्तीसगढ़
20	श्री संतोष सीवान	कला	तमिलनाडु
21	सुश्री सुप्रिया देवी	कला	पश्चिम बंगाल
22	सुश्री सुनी तारापोरवाला	कला	महाराष्ट्र
23	सुश्री विद्या बालन	कला	महाराष्ट्र
24	श्रीमती दुर्गा जैन	समाज सेवा	महाराष्ट्र
25	डॉ रामाराव ओनुमोलू	समाज सेवा	आंध्र प्रदेश
26	डॉ ब्रह्मदत्त	समाज सेवा	हरियाणा
27	श्री मुकुल चंद गोस्वामी	समाज सेवा	असम
28	श्री जे. एल. कौल	समाज सेवा	दिल्ली
29	श्री माथुरभाई माधाभाई सवानी	समाज सेवा	गुजरात
30	श्री ताशी तोन्डूप	लोक–कार्य	जम्मू एवं कश्मीर
31	डॉ हसमुख चमनलाल साह	लोक–कार्य	गुजरात
32	श्री शेखर बासु	विज्ञान एवं इंजीनियरी	महाराष्ट्र
33	श्री माधवन चन्द्रदाथन	विज्ञान एवं इंजीनियरी	केरल
34	प्रो. सुशान्त कुमार दासगुप्ता	विज्ञान एवं इंजीनियरी	पश्चिम बंगाल
35	डॉ. रवि भूषण ग्रोवर	विज्ञान एवं इंजीनियरी	महाराष्ट्र
36	प्रो. एलुवाथिंगल देवासी जेमीस	विज्ञान एवं इंजीनियरी	कर्नाटक
37	श्री रामकृष्ण वी. होसुर	विज्ञान एवं इंजीनियरी	महाराष्ट्र
38	डॉ. अजय कुमार परिदा	विज्ञान एवं इंजीनियरी	तमिलनाडु
39	डॉ. मलप्पक्क यज्ञनेश्वर सत्यनारायण प्रसाद	विज्ञान एवं इंजीनियरी	आंध्रप्रदेश
40	श्री किरण कुमार अलुर सेलिन	विज्ञान एवं इंजीनियरी	गुजरात
41	डॉ. ब्रह्मा सिह	विज्ञान एवं इंजीनियरी	दिल्ली
42	प्रो. विनोद कुमार सिह	विघ्ज्ञान एवं इंजीनिघ्यरी	मध्य प्रदेश
43	डॉ. गोविन्दन सुन्दरराजन	विघ्ज्ञान एवं इंजीनिघ्यरी	आंध्र प्रदेश
44	श्री रामा स्वामी आर. अय्यर	विघ्ज्ञान एवं इंजीनिघ्यरी	दिल्ली
45	डॉ. जयंता कुमार घोष	विघ्ज्ञान एवं इंजीनिघ्यरी	पशचिम बंगाल
46	श्री रवि कुमार नारा	व्ध्यापार एवं उद्योग	आंध्र प्रदेश
47	श्री राजेश सरैया	व्ध्यापार एवं उद्योग	महाराष्ट्र
48	सुश्री मल्लिका श्रीनिवासन	व्ध्यापार एवं उद्योग	तमिलनाडु
49	श्री प्रताप गोविन्द राव पवार	व्ध्यापार एवं उद्योग	महाराष्ट्र
50	डॉ. किरिटकुमार मनसुखलाल आचार्य	चिकित्सा	गुजरात

51	डॉ. बलराम भार्गव	चिकित्सा	उत्तर प्रदेश
52	प्रो.(डॉ.) इन्दिरा चक्रवर्ती	चिकित्सा	पश्चिम बंगाल
53	डॉ. रमाकांत देशपांडे	चिकित्सा	महाराष्ट्र
54	प्रो.(डॉ.) पवन राज गोयल	चिकित्सा	हरियाणा
55	प्रो. अमोद गुप्ता	चिकित्सा	हरियाणा
56	प्रो.(डॉ.) दया किशोर हाजरा	चिकित्सा	उत्तर प्रदेश
57	प्रो.(डॉ.) थेनुम्गल पॉलूस जैकब	चिकित्सा	तमिलनाडु
58	प्रो. (डॉ.) शशांक आर जोशी	चिकित्सा	महाराष्ट्र
59	प्रो. हाकिम सैयद खलफेतुल्लाह	चिकित्सा	तमिलनाडु
60	डॉ. मिलिन्द वसन्त किरतने	चिकित्सा	महाराट्र
61	डॉ. ललित कुमार	चिकित्सा	दिल्ली
62	डॉ. मोहन मिश्रा	चिकित्सा	बिहार
63	डॉ. एम सुभद्रा नायर	चिकित्सा	केरल
64	डॉ. अशोक पनगडिया	चिकित्सा	राजस्थान
65	डॉ. नरेन्द्र कुमार पांडेय	चिकित्सा	हरियाणा
66	डॉ. सुनील प्रधान	चिकित्सा	उत्तर प्रदेश
67	डॉ. अशोक राजगोपाल	चिकित्सा	दिल्ली
68	डॉ. कामिनी ए. राव	चिकित्सा	कर्नाटक
69	डॉ. सर्वेश्वर सहारिघ्या	चिकित्सा	आंध्र प्रदेश
70	प्रो. ओम प्रकाश उपाध्याय	चिकित्सा	पंजाब
71	प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा	चिकित्सा	दिल्ली
72	डॉ. जे. एस. तितियाल	चिकित्सा	दिल्ली
73	डॉ. नीतिश नायक	चिकित्सा	दिल्ली
74	डॉ. सुरव्रत कुमार आचार्य	चिकित्सा	दिल्ली
75	डॉ. राजेश कुमार ग्रोवर	चिकित्सा	दिल्ली
76	डॉ. नहीद आबिदी	साहित्य एवं शिक्षा	उत्तर प्रदेश
77	प्रो. अशोक चक्रधर	साहित्य एवं शिक्षा	दिल्ली
78	श्री चाकचुक चुआनबावरा	साहित्य एवं शिक्षा	मिजोरम
79	श्री केकी एन. दारूवाला	साहित्य एवं शिक्षा	दिल्ली
80	प्रो. गणेश नारायणदास देवी	साहित्य एवं शिक्षा	गुजरात
81	प्रो. कोलाकालुरी इनौच	साहित्य एवं शिक्षा	आंध्र प्रदेश
82	प्रो. (डॉ.) वेद कुमारी घई	साहित्य एवं शिक्षा	जम्मू एवं कश्मीर
83	श्रीमती मनोरा जाफा	साहित्य एवं शिक्षा	दिल्ली
84	प्रो. रेहाना खातुन	साहित्य एवं शिक्षा	दिल्ली
85	डॉ वाईखोम गोजेन मितेई	साहित्य एवं शिक्षा	मणिपुर
86	श्री विष्णु नारायणन नम्बूतिरी	साहित्य एवं शिक्षा	केरल
87	प्रो. दिनेश सिंह	साहित्य एवं शिक्षा	दिल्ली
88	डा श्रीमती पी. कीलेमसुन्गला	साहित्य एवं शिक्षा	नागालैंड
89	सुश्री अंजुम चोपड़ा	खेल	दिल्ली
90	सुश्री सुनील डबास	खेल	हरियाणा
91	श्री लवराज सिंह धर्मशक्तु	खेल	दिल्ली
92	सुश्री दीपिका रेबेका पल्लीकल	खेल	तमिलनाडु
93	श्री एच बोनीफेस प्रभु	खेल	कर्नाटक
94	श्री युवराज सिंह	खेल	हरियाणा
95	श्रीमती ममता सोधा	खेल	हरियाणा
96	सुश्री परवीन ताल्हा	सिघविघ्ल सेवा	उत्तर प्रदेश
97	स्व. डा. नरेंद्र अच्युत दाभोलकर	समाज सेवा	महाराष्ट्र (मरणोपरांत)
98	श्री अशोक कुमार मागो	व्यापार एवं उद्योग	यू.एस.ए'
99	डॉ. सिद्धार्थ मुखर्जी	चिकित्सा	यू.एस.ए'
100	डॉ वामसी मुथा	चिकित्सा	यू. एस. ए'
101	डॉ सेन्गाकू मायदा	साहित्य एवं शिक्षा	जापान'

● विदेशियों/अप्रवासी भारतीयों मूल के व्यक्तियों की श्रेणी में पुरस्कार विजेताओं को दर्शाता है.
मरणोपरांत श्रेणी में पुरस्कार विजेताओं को दर्शाता है.

दिवस/सप्ताह/वर्ष

24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस के रुप में मनाया गया

24 जनवरी 2014 को भारत सरकार द्वारा देशभर में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया. बच्चियों के प्रति समाज में जागरूकता और चेतना पैदा करने के लिए यह दिवस प्रति वर्ष मनाया जाता है. यह दिवस वर्ष 2008 से प्रति वर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है.

भारत सरकार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस को राष्ट्रीय कन्या विकास मिशन के रूप में शुरू किया है. मिशन देशभर में लोगों के बीच बालिकाओं की उन्नति के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है. यह माता–पिता और समाज के अन्य सदस्यों के सक्रिय सहयोग से निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में लड़कियों का सार्थक योगदान बढ़ाने में मदद करता है.

भारत में लड़कियों के लिए कुछ योजनाएं

- धन लक्ष्मी योजना – भारत सरकार (महिला और बाल विकास मंत्रालय)
- भाग्यलक्ष्मी योजना – कर्नाटक
- लाडली लक्ष्मी योजना – मध्य प्रदेश
- बालिका संरक्षण योजना – आंध्र प्रदेश
- लाडली योजना – दिल्ली और हरियाणा
- राजलक्ष्मी योजना – राजस्थान (बंद कर दी गई है)
- बालिका समृद्धि योजना (बीएसवाई) – गुजरात
- बेटी है अनमोल योजना – हिमाचल प्रदेश
- रक्षक योजना – पंजाब
- मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना – बिहार
- मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना – बिहार
- कुंअरबाइनू ममेरू योजना – गुजरात
- इंदिरा गांधी बालिका सुरक्षा योजना – हिमाचल प्रदेश
- मुख्यमंत्री कन्यादान योजना – मध्य प्रदेश

इनमें से ज्यादातर योजनाएं आईसीडीएस और आंगनवाड़ी कर्मियों के विशाल नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुए महिला और बाल विकास विभाग के माध्यम से चलाई जाती हैं.

भारत का संविधान बच्चों सहित सभी नागरिकों को कुछ आधारभूत मौलिक अधिकार प्रदान करता है. राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत इस बात पर बल देते हैं कि राज्य को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि सभी बच्चों को एक सुरक्षित और निरापद वातावरण में बढ़ने और विकास करने के अवसर तथा सेवाएं उपलब्ध कराएं.

किंतु भारतीय संदर्भ में बेटियों के प्रति विपरीत सामाजिक मनोवृत्ति ने बच्चियों को असुरक्षित और असुविधाजनक स्थिति में रख छोड़ा है. उनका अस्तित्व, शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास, सुरक्षा और कल्याण राष्ट्रीय चिंता का विषय है. इस भेदभाव का उल्लेखनीय प्रभाव पुरुष–स्त्री अनुपात में कमी के रूप में (विशेषकर बच्चों में) प्रतिबिंबित हो रहा है.

वर्ष 1991 की जनगणना ने लिंग–अनुपात की बिगड़ती प्रवृत्ति की ओर संकेत किया था. वर्ष 2001 की जनगणना ने स्थिति की गंभीरता को उजागर कर दिया. लिंग–चयन की बढ़ती घटनाओं के कारण बच्चियों की घटती संख्या अनेक राज्यों में चिंता का विषय है. वर्ष 1994 के गर्भधारण–पूर्व और प्रसव–पूर्व निदान तकनीक अधिनियम, जो पीसीपीएनडीटी अधिनियम के रूप में ज्यादा जाना जाता है, जैसे कानूनों और कन्या का मान बढ़ाने के लिए शुरू किए गए अनेक अभियानों के बावजूद स्थिति में शायद ही कोई सुधार आया है.

जीवन के समस्त पहलुओं में कन्या का सशक्तीकरण आवश्यक है, ताकि वे समाज में समान भागीदार बन सकें. उन्हें समान स्वतंत्रता और अवसर प्राप्त करने की स्थिति में होना चाहिए.

राष्ट्रीय बालिका दिवस का उद्देश्य

राष्ट्रीय बालिका दिवस इस उद्देश्य के साथ मनाया जाता है कि समाज में हर बालिका का सम्मान हो, मूल्य हो और उसके साथ बराबरी का व्यवहार किया जाए. इस दिन महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा भारत में घटते लिंग–अनुपात को सुधारने की दिशा में कार्य करने और इस समस्या को हल करने के लिए एक बहुमुखी दृष्टिकोण अपनाया जाता है. ये पहल देश को लड़कियों का पालन–पोषण इस प्रकार करने में सहायता करती हैं कि उन्हें लड़कों की ही तरह समान अवसर प्रदान किए जाएं.

भारतीय डाकघर ने भारत में 10 से 20 वर्ष के बीच की लड़कियों के लिए एक विशेष बचत योजना 22 जनवरी 2014 को शुरू की. योजना में लड़कियों के माता–पिताओं से एक बचत खाता खोलने का आह्वान किया गया है. इस योजना के अंतर्गत माता–पिता निम्नलिखित में से कोई भी खाता खोल सकते हैं –

- आवर्ती आय खाता (आरडी)
- मासिक आय योजना (एमआईएस)
- मीयादी जमा
- और वे राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र भी खरीद सकते हैं

राष्ट्रीय कन्या सप्ताह (24 जनवरी से 30 जनवरी 2014) के दौरान खाता खोलने वाले माता–पिताओं को विशेष पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे. भारतीय डाक ने कहा है कि माता–पिता आवर्ती जमा खाते के लिए न्यूनतम 10 रुपये जमा कर सकते हैं, बचत बैंक खाता 50 रुपये से खोला जा सकता है और मासिक आय योजना का खाता 5000 रुपये से 6 लाख रुपये तक जमा करके खुलवाया जा सकता है.

भारत में कन्या–शिक्षा को बढ़ावा देने के अनेक सरकारी योजनाएं हैं, किंतु जानकारी के संचारण के अभाव में वे अभी तक असफल रही हैं. ये योजनाएं शहरी क्षेत्रों में भी लक्ष्य–समूहों तक पहुँचने में विफल रही हैं. शिक्षा की दृष्टि से देश की आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्ग की लड़कियां आठवीं या दसवीं कक्षा से ऊपर शायद ही जा पाई हों.

पुस्तकें

पुस्तकें

- *"इंडियाज पॉलिटिकल एंड फोरन रिलेशन एंड गल्फ्फ रीजन"*
- *'रिसर्जेंट इंडिया – ग्लिमसेज ऑफ राजीव गांधीज विजन ऑफ इंडिया'*

"इंडियाज पॉलिटिकल एंड फोरन रिलेशन एंड गल्फ्फ रीजन"

भारत के उप–राष्ट्रपति एम. हामिद अंसारी ने "इंडियाज पॉलिटिकल एंड फॉरन रिलेशन विद टू गल्फ रीजन" (India's Political and Foreign Relations with the Gulf Region) नामक पुस्तक का विमोचन 21 जनवरी 2014 को किया. यह पुस्तक प्रो. ए.के. पाशा द्वारा सम्पादित की गई.

"इंडियाज पॉलिटिकल एंड फॉरन रिलेशन विद टू गल्फ रीजन" नामक पुस्तक में खाडी अध्ययन कार्यक्रम (जीएसपी), पश्चिम एशियाई अध्ययन केन्द्र, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 4 सेमिनारों में प्रस्तुत किए गए शोध पत्रों, तथा विशिष्ट लेख पर आधारित है।

'रिसर्जेंट इंडिया – ग्लिमसेज ऑफ राजीव गांधीज विजन ऑफ इंडिया'

लोकसभा के पूर्व महासचिव पी.डी.टी. आचार्य द्वारा लिखित पुस्तक ***'रिसर्जेंट इंडिया दृ ग्लिमसेज ऑफ राजीव गांधीज विजन ऑफ इंडिया'*** (Resurgent India – Glimpses of Rajiv Gandhi's Vision of India) का भारत के उप राष्ट्रपति एम. हामिद अंसारी ने 22 जनवरी 2014 को विमोचन किया.

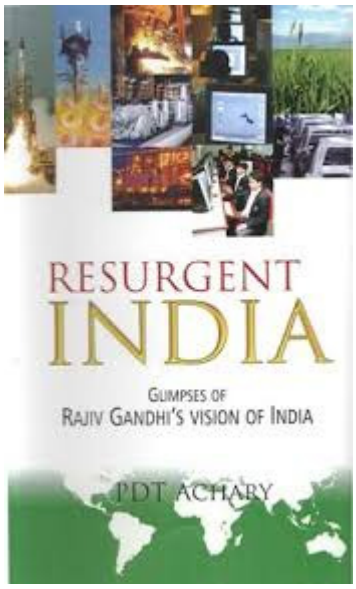

इस पुस्तक में लेखक ने राष्ट्रीय जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में राजीव गांधी के बहुआयामी योगदान को खोजने का प्रयास किया गया है, का संकलन है.

पदत्याग/पदमुक्त

पदत्याग/पदमुक्त
- *निकोलाई एजारोव*

निकोलाई एजारोव

निकोलाई एजारोवयूक्रेन के प्रधानमंत्री निकोलाई एजारोव ने देश में हो रहे खूनी संघर्षों एवं विरोध–प्रदर्शनों को देखते हुए 28 जनवरी 2014 को अपने पद से इस्तीफा दिया. यूक्रेन के राष्ट्रपति विक्टर यानोकोविच ने प्रधानमंत्री निकोलाई एजारोव का इस्तीफा स्वीकार किया.

यूक्रेन में चल रहे विरोध प्रदर्शन का कारण

यूक्रेन की संसद ने देश में लागू किए गए प्रदर्शन विरोधी नियमों को खत्म कर दिया गया. इससे पूर्व संसद ने प्रदर्शन विरोधी कानून को खारिज कर दिया था. इसके तहत देश में विराध प्रदर्शनों पर सख्ती के लिए जो नए नियम लागू किए गए थे, उनमें भी छूट दी गयी. पहले ऐसे प्रावधान किए गए थे कि सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी एवं कानून व्यवस्था बिगाड़ने पर कड़ी सजा दी जाएगी. इसके अलावा लोगों के हेलमेट और मास्क पहनने पर रोक थी. लेकिन अब इन नियमों को खत्म कर दिया गया है.

यूक्रेन के राष्ट्रपति विक्टर यानोकोविच "खूनी संघर्षों को काबू करने, हिंसा को बढने से रोकने एवं मानवाधिकार उल्लंघन पर लगाम लगाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे है. सरकार विषम परिस्थितियों में भी आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की पूरी कोशिश कर रही है.

- यूक्रेन यूरोप के पूर्व भाग में स्थित है.
- इसकी राजधानी कीव है.
- यूक्रेन सोवियत संघ से 24 अगस्त 1991 को स्वतंत्र हुआ.
- यूरोप की प्रमुख डेन्यूब नदी यूक्रेन के उत्तरी भाग में डेल्टा बनाती है.

समिति/आयोग

डॉ. उर्जित आर पटेल समिति

21 जनवरी 2014 को मौद्रिक नीति ढांचा संशोधित करने और उसे मजबूत बनाने को लेकर गठित की गई विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर को सौंप दी. समिति का गठन भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डॉ. रघुराम राजन ने 12 सितंबर 2013 को किया था, जिसके अध्यक्ष रिजर्व बैंक के उप गवर्नर डॉ. उर्जित आर. पटेल थे. ऐसा उसे पारदर्शी और अनुमेय (प्रिडिक्टेबल) बनाने के लिए किया गया था.

विशेषज्ञ समिति का गठन भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डॉ. रघुराम राजन ने 12 सितंबर 2013 को किया था. भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर डॉ. उर्जित आर पटेल को इस समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया. अध्यक्ष डॉ. उर्जित आर. पटेल के अतिरिक्त समिति के सदस्य–डॉ. पी.जे. नायक, प्रो. चेतन घाटे, प्रो. पीटर जे. मोंटियल, डॉ. साजिद जेड. चिनॉय, डॉ. रूपा नित्सुरे, डॉ. गंगाधर दर्भा, दीपक मोहंती और डॉ. माइकेल देबब्रत पात्रा (सदस्य सचिव) रहे.

समिति के विचारार्थ विषय

- एक वैश्विक और अंतरूसंबंधित माहौल में मौद्रिक नीति के उद्देश्यों और संचालन की समीक्षा करना.
- मौद्रिक नीति के संचालन के लिए एक उपयुक्त नॉमिनल एंकर नियुक्त करने की सिफारिश करना.
- मौद्रिक नीति के संगठनात्मक ढाँचे, परिचालन–रूपरेखा और उपकरणों की समीक्षा करना, विशेषकर उसके बहु–संकेतक नजरिये की, ताकि समष्टि–आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के साथ–साथ बाजार–विकास के साथ भी उनकी अनुकूलता सुनिश्चित की जा सके.
- मौद्रिक नीति के संचारण की विनियामक, राजकोषीय और अन्य बाधाओं को चिह्नित करना और वित्तीय बाजार–खंडों तथा व्यापकतर अर्थव्यवस्था में उसके संचारण में सुधार लाने के उपायों और संस्थागत पूर्व–शर्तों की सिफारिश करना.
- उपर्युक्त सभी मुद्दों के संबंध में पिछली समितियों/समूहों की सिफारिशों पर सावधानीपूर्वक विचार करना.

समिति की मुख्य सिफारिशें

विशेषज्ञ समिति ने अपने सुझावों में निम्नलिखित सिफारिशेन की.

- मौद्रिक नीति के निर्धारण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को एक नया उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) अपनाना चाहिए.
- समिति ने आसपास 2 प्रतिशत के प्लसध्माइनस बैंड के साथ 4 प्रतिशत का मुद्रास्फीति लक्ष्य भी तय किया.
- मौद्रिक नीति संबंधी निर्णय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के हाथों में सौंपा जाना चाहिए, जिसके अध्यक्ष भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर हों.
- सिफारिश के रूप में दिए गए इन सुझावों का आशय यह स्पष्ट करते हुए कि मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक का प्राथमिक लक्ष्य है, मुद्रास्फीतिगत अपेक्षाएं बेहतर बनाना है. वह उसके निष्पादन के लिए उसे जिम्मेदार ठहराए जाने की अपेक्षा भी करती है.
- सरकार को भी यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि जीडीपी के अनुपात के रूप में राजकोषीय घाटा कम करके 2016–17 तक 3 प्रतिशत पर लाया जाना चाहिए, जो राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (संशोधन) नियमावली 2013 से संगत होना चाहिए.
- बाजार स्थिरीकरण योजना (एमएसएस) और नकदी प्रबंधन बिल (सीएमबी) को समाप्त कर दी जानी चाहिए.
- सरकारी ऋण और नकदी प्रबंधन सरकार के ऋण प्रबंधन कार्यालय द्वारा अपने हाथ में ले लेना चाहिए.
- समस्त नियत आय वाले वित्तीय उत्पादों को कराधान और टीडीएस के प्रयोजनों से बैंक–जमाराशियों के समान समझा जाना चाहिए.
- खुले बाजार के कार्यकलापों (ओएमओज) को राजकोषीय परिचालनों से अलग करने और इसके स्थान पर उन्हें पूर्णतरू चलनिधि–प्रबंधन से जोड़े जाने का सुझाव दिया.
- ओएमओज का इस्तेमाल सरकारी प्रतिभूतियों पर होने वाली आय के प्रबंधन के लिए नहीं किया जाना चाहिए.

निर्वाचित/नियुक्त

निर्वाचित/नियुक्त

- मेहदी जोम्मा
- कैलाश मेघवाल
- कैथरलीन सांबा–पांजा

मेहदी जोम्मा

ट्यूनीशिया में प्रधानमंत्री मेहदी जोम्मा के नेतृत्व वाली नई टेक्नोक्रेटिक सरकार ने 29 जनवरी 2014 को शपथ ली. इस प्रकार नई टेक्नोक्रेटिक सरकार ने देश का राजनीतिक विक्षोभ मिटाने के लिए एक समझौते के अंतर्गत इस्लामिक–नीत प्रशासन का स्थान लिया. सरकार नए चुनाव करवाने की तैयारी भी करेगी.

सत्ता का पिछला हस्तांतरण देश के 193 कानून–निर्माताओं में से 149 ने अनुमोदित किया था. यह हस्तांतरण एक संसदीय सत्र के बाद राष्ट्रपति के महल में हुआ.

देश के नए मंत्रियों ने अपने पदों की शपथ ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति मोंसेफ मर्जूकी से ग्रहण की. प्रमुख इस्लामिस्ट पार्टी एन्नाहदा द्वारा 2013 में गठित सरकार की सत्ता अभ्यर्पित करने के लिए तैयार हो जाने के बाद यह संभव हो पाया. इस समझौते ने लंबे समय से विलंबित नए संविधान के अंगीकरण को भी आगे कर दिया, जिसे 27 जनवरी 2014 को अपनाया गया. अरब स्प्रिंग क्रांति के तीन वर्ष बाद अंततरू राष्ट्रीय असेंबली ने नया संविधान अंगीकृत कर लिया. संसद और राष्ट्रपति के चुनाव 2014 के अंत तक होंगे.

इसके अतिरिक्त, ट्यूनीशिया की नई सरकार के गठन का समर्थन करने वाले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 29 जनवरी 2014 को 500 मिलियन डॉलर की सहायता जारी की. देश की राजनीतिक अस्थिरता के कारण जून 2013 में स्वीकृत 1.76 बिलियन डॉलर के ऋण की राशि रोक ली गई थी. फंड्स में दो वर्षों में 1. 76 बिलियन डॉलर और 506.7 बिलियन डॉलर का वितरण शामिल था. जारी की गई राशि 2003 में हुई ऋण की डील का दूसरा भाग था.

कैलाश मेघवाल

कैलाश मेघवाल 14वीं राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष सर्वसम्मति से 22 जनवरी 2014 को चुने गये. इनका नाम राजस्थान के मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं विपक्ष के नेता द्वारा प्रस्तावित किया गया था.

इस प्रस्ताव का अनुमोदन रामेश्वर डूडी ने किया. विदित हो कि कैलाश मेघवाल 20 दिसंबर 2013 से 21 जनवरी 2014 तक राज्य में खनन मंत्री थे. विधानसभा अध्यक्ष बनने के पश्चात मेघवाल ने 21 जनवरी 2014 को उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया.

कैलाश मेघवाल राजस्थान के भीलवाड़ा जिले की शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर 14 वीं राजस्थान विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए. कैलाश मेघवाल 6 वीं राजस्थान विधानसभा से लगातार निर्वाचित हो रहे है.

इसके अलावा, राज्य के 200 सदस्यीय विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के 143 नवनिर्वाचित विधायकों को प्रोटेम स्पीकर प्रद्युमन सिंह ने शपथ दिलाई. प्रद्युमन सिंह प्रथम विधानसभा से लेकर 14 वीं राजस्थान विधानसभा के सदस्य है. सर्वप्रथम वसुंधरा राजे ने विधानसभा में पद की शपथ ली. अन्य 12 विधायकों को उनके नाम के वर्णानुक्रम में मंत्री पद की शपथ दिलाई गयी.

कैथरलीन सांबा–पांजा

बांगुइ की मेयर कैथरलीन सांबा–पांजा केंद्रीय अफ्रीकी गणतंत्र (सीएआर) की अंतरिम राष्ट्रपति 20 जनवरी 2014 को चुनी गईं. इसके साथ ही वह इस पद पर बैठने वाली पहली महिला बन गईं. उन्होंने अंतरिम संसद द्वारा दूसरे दौर के मतदान में अपने प्रतिद्वंद्वी डिजायर कोलिन्बा को 53 के 75 मतों से हराया. कैथरलीन सांबा–पांजा ने मिशेल जोटोटिया का स्थान लिया. मिशेल जोटोटिया ने हिंसा रोकने में असफल होने और पूर्ववर्ती औपनिवेशिक सत्ता फ्रांस और स्थानीय नेताओं के दबाव में आकर राष्ट्रपति पद से 10 जनवरी 2014 को त्यागपत्र दे दिया था.

कैथरलीन सांबा–पांजा पर देश में शांति बहाल करने की बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि 19 जनवरी 2014 को बांगुइ में दो मुसलमानों की हत्या कर उन्हें जला दिए जाने की घटना से बांगुइ हिंसा की चपेट में आ गया है.

निधन/मृत्यु

निधन/मृत्यु
- एरियल शेरॉन
- सुचित्रा सेन
- सुधीर महतो
- नागेश्वर राव

एरियल शेरॉन

इजराइल के मिस्टर सिक्योरिटी कहे जाने वाले एरियल शेरॉन नहीं रहे। आठ साल तक कोमा में रहने के बाद उन्होंने शनिवार को अंतिम सांस ली। इजरायल जहां उन्हें हमेशा श्बुलडोजरश के तौर पर याद रखेगा, वहीं फिलीस्तीन श्सबसे बड़े कसाईश को कभी नहीं भूल पाएगा। विवादास्पद, लेकिन दमदार नेता के तौर पर शेरॉन हमेशा याद रखे जाएंगे।

1. जन्म फिलीस्तीन में 1928 में हुआ। 1948–49, 1950 और 1967 के इजरायली युद्धों में हिस्सा लिया। हर मोर्चे पर सामने रहकर नेतृत्व किया।
2. 1973 में पहली बार संसद के लिए चुने गए और 1977 में पहली बार मंत्री बनाए गए। 1982 में लेबनान पर हुए इजराइली हमले के पीछे उन्हीं का दिमाग था।
3. 1990 की शुरुआत में उन्होंने पश्चिमी तट और गाजा पट्टी में बड़े पैमाने पर यहूदी बस्तियां बसाईं। बाद के सालों में शेरॉन ने इन्हीं बस्तियों को हटवाया। देश में ही विरोध हुआ। खुद की पार्टी–लिकुद से अलग हो गए।

सुचित्रा सेन

बांग्ला सिनेमा की महानायिका सुचित्रा सेन का कोलकाता के अस्पताल में आज निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थीं। देर शाम 82 वर्षीय अदाकारा को सांस लेने में तकलीफ बढ़ गई थी। गुजरे जमाने की अदाकारा को श्वसन तंत्र में संक्रमण को लेकर 23 दिसंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सुचित्रा का जन्म आज के बांग्लादेश के पाब्ना जिले में 1931 में हुआ था। इन्होंने 1952 में पहली फिल्म शेष कथा में अभिनय किया, लेकिन यह फिल्म रिलीज नहीं हुई। इसके अगले साल इनकी फिल्म ***7 नंबर कैदी*** आई। इसके बाद 1955 में विमल रॉय की बांग्ला फिल्म श्देवदासश में पारो का किरदार निभाया।

बॉलीवुड में भी इन्होंने कई फिल्में कीं। इसमें से फिल्म ***आंधी*** की खासी चर्चा रही। सुचित्रा सेन को 1972 में पद्मश्री सम्मान मिला। 2012 में इन्हें ***पश्चिम बंगाल सरकार के सर्वश्रेष्ठ अवार्ड बंग भूषण*** से सम्मानित किया गया।

सुधीर महतो

22 जनवरी 2014 को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता और झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुधीर महतो का राज्य के पूर्वी सिंघभूम जिले के घाटशिला में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया. वह 54 वर्ष के थे. उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया. राज्य सरकार ने उनके निधन पर सात दिन के राजकीय शोक की घोषणा की.

सुधीर महतो घाटशिला के मऊभंडार में झारखंड कॉपर मजदूर यूनियन के महासचिव

देवी प्रसाद मुखर्जी के पुत्र के विवाह समारोह में शामिल होने गए थे. सुधीर महतो के परिवार में उनकी पत्नी और चार पुत्रियां हैं.

- 8 अगस्त 1987 को बड़े भाई निर्मल महतो की हत्या के बाद राजनीति में आए.
- वर्ष 1990 में ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र से पहली बार झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के टिकट पर विधायक निर्वाचित हुए.
- वह वर्ष 2005 में फिर से इसी सीट से विधायक निर्वाचित हुए.
- वर्ष 2005 में झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रहे.
- वर्ष 2006 में मधु कोड़ा सरकार में उपमुख्यमंत्री बनाए गए.
- वह वर्ष 2009 के चुनाव में हार गए थे.

नागेश्वर राव

22 जनवरी 2014 को फिल्म जगत के सर्वोच्च सम्मान दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित तेलुगू फिल्म निर्माता–अभिनेता अक्कीनेनी नागेश्वर राव (ए नागेश्वर राव) का कैंसर से हैदराबाद में निधन हो गया. वह 91 वर्ष के थे. ए नागेश्वर राव को **एएनआर** भी कहा जाता था. ए नागेश्वर राव की प्रमुख फिल्में श्तेनालीराम कृष्णाश, श्देवदासश, श्माया बाजारश और श्मिस्सम्माश ''बातासारी'', ''तेनाली रामकृष्ण'' प्रेम नगर'' और ''प्रेमाभिषेकम'' हैं.

ए नागेश्वर राव के परिवार में तीन बेटियां और दो बेटे हैं. ए नागेश्वर राव के पुत्र नागार्जुन तेलुगू और हिंदी फिल्मों के अभिनेता हैं. अभिनेता नागार्जुन की पत्नी अमला भी हिन्दी फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं.

- ए नागेश्वर राव की पहली फिल्म ''धर्मपत्नी'' थी. इस फिल्म में उन्होंने एक महिला का किरदार निभाया था.
- भारतीय सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान के लिए राव को वर्ष 2011 में देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था. उससे पहले उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया था.
- ए नागेश्वर राव को ही तेलुगू फिल्मोद्योग को तत्कालीन मद्रास से हैदराबाद लाने का श्रेय दिया जाता है.
- 75 वर्षों के अपने फिल्मी करियर में ए नागेश्वर राव ने लगभग 250 तेलुगू, तमिल और हिंदी फिल्मों में काम किया.
- ए नागेश्वर राव ''मानम'' शीर्षक से बनाई जा रही फिल्म में अभिनय कर रहे थे, इसमें उनके परिवार की तीनों पीढ़ियों– वह स्वयं, उनके छोटे पुत्र नागार्जुन और पोते नाग चौतन्य ने काम किया.
- नागेश्वर राव ने अपनी पत्नी अन्नपूर्णा के नाम पर अन्नपूर्णा स्टूडियोज की स्थापना की जिनका निधन वर्ष 2011 में हुआ था.
- ए नागेश्वर राव श्वेत श्याम फिल्मों में भी काम किया है.
- ए नागेश्वर राव ने खुद ''सुदीगुंदालु'' फिल्म बनाई जिसमें उन्होंने युवाओं को आत्महत्या के खिलाफ संदेश दिया.
- ए नागेश्वर राव का जन्म तटीय आंध्रप्रदेश के कृष्णा जिले में वर्ष 1924 में एक किसान परिवार में हुआ था.
- बांग्ला लेखक शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास पर आधारित तेलुगु फिल्म ''देवदास'' में नागेश्वर राव ने भूमिका निभाई. बिमल राय ने जब इसका हिन्दी रीमेक बनाया तो देवदास की भूमिका दिलीप कुमार ने निभाई.

खेल/खिलाड़ी

खेल/खिलाड़ी

- *निडाल को हराकर वावरिंका ने जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब*
- *डोमीनिका सिबुलकोवा को हरा कर ली ना बनीं महिला एकल खिताब की विजेता*
- *वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक*
- *रोनाल्डो को फीफा के साल 2013 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के खिताब (बैलन डी ओर) से नवाजा गया*

नडाल को हराकर वावरिंका ने जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब

स्विट्जरलैंड के स्टानिस्लास वावरिंका ने चोट से परेशान दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी रफेल नडाल को ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल मुकाबले में हराकर अपने कैरियर का पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीत लिया। आठवीं वरीयता प्राप्त वावरिंका ने दो घंटे 21 मिनट तक चला मुकाबला 6–3, 6–2, 3–6, 6–3 से जीता।

कमर की चोट से परेशान नडाल ने तीसरे सेट में वापसी करके मैच को चौथे सेट तक खींचा लेकिन 14वां ग्रैंडस्लैम नहीं जीत सके। वावरिंका के लिए यह जीत करिश्माई रही, जिसे पिछले 12 मैचों में नडाल ने मात दी थी।

वावरिंका ने आक्रामक शुरुआत की और पहली दो सर्विस बरकरार रखते हुए सिर्फ दो अंक गंवाए। उसने चौथे गेम में नडाल की सर्विस तोड़ी। नडाल ने खराब ड्रापशॉट के बाद डबल फाल्ट कर डाली, जिससे वावरिंका को हावी होने का मौका मिला। उसने नडाल के अगले सर्विस गेम पर ब्रेक प्वाइंट बनाया और अपनी सर्विस बरकरार रखी।

पहले सेट में सर्विस गेम पर वावरिंका तीन ब्रेक प्वॉइंट पीछे था, लेकिन उसने अगले पांच प्वॉइंट बनाकर बेहतरीन सर्विस के साथ पहला सेट 37 मिनट में जीत लिया। दूसरे सेट के पहले ही गेम में वावरिंका ने फिर बैकहैंड पर रिटर्न विनर लगाकर नडाल की सर्विस तोड़ी। उसने फिर लगातार 12 अंक बनाए, जबकि इस बीच नडाल को धीमे खेल के लिए चेतावनी मिली।

फोरहैंड पर एक शाट लगाने के बाद नडाल की कमर की परेशानी बढ़ गई। उसने अगले चेंजओवर में ट्रेनर को बुलाया और मेडिकल टाइमआउट के लिए कोर्ट के बाहर भी चले गए। वावरिंका ने चेयर अंपायर से बहस भी की कि उसे नडाल की चोट के बारे में बताया क्यों नहीं जा रहा, क्योंकि उसके सात मिनट कोर्ट से गायब रहने से दर्शक बेचौन होने लगे थे।

कोर्ट पर लौटने के बाद भी नडाल लय में नहीं दिखे और तीसरी बार सर्विस गंवाई। इस बीच वावरिंका ने 4–1 की बढ़त बना ली थी। चेंजओवर के समय नडाल सिर पर हाथ धरकर बैठे दिखे। वावरिंका ने दूसरा सेट आराम से जीत लिया, जबकि उसके स्पेनिश प्रतिद्वंद्वी को बार बार चेयर पर जाकर उपचार लेना पड़ रहा था।

नडाल ने तीसरे सेट में पहली बार वावरिंका की सर्विस तोड़ी। उपचार या दर्दनिवारक दवाइयों का असर दिखने लगा और नडाल ने कुछ दमदार शाट लगाकर 4–1 की बढ़त बना ली। इस बीच दबाव के कारण वावरिंका से गलतियां होने लगी। नौवें गेम में वावरिंका ने ब्रेक प्वाइंट बनाए, लेकिन नडाल ने बेहतरीन सर्विस पर तीसरा सेट जीत लिया।

चौथे सेट की शुरुआत में नडाल ने अपनी सर्विस बरकरार रखी और वावरिंका शुरुआत में मिले दो ब्रेक प्वाइंट का फायदा नहीं उठा सके। वावरिंका ने 4–2 की बढ़त बना ली, लेकिन नडाल ने अगले सर्विस गेम पर तीन ब्रेक प्वाइंट के साथ वापसी की। वावरिंका ने फिर नडाल की सर्विस तोड़ी और खिताब अपने नाम कर लिया।

वावरिंका किसी ग्रैंडस्लैम में शीर्ष दो खिलाड़ियों (नडाल और नोवाक जोकोविच) को हराने वाले सर्जी ब्रुगुएरा के बाद दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। ब्रुगुएरा ने 1993 फ्रेंच ओपन में यह कमाल किया था।

डोमीनिका सिबुलकोवा को हरा कर ली ना बनीं महिला एकल खिताब की विजेता

मेलबर्न पार्क के रॉड लेवर अरेना में चौथी वरीय जापान की ली ना ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन का महिला एकल खिताब जीत लिया।

दो बार की उपविजेता ली ना ने फाइनल मुकाबले में 20वीं वरीय स्लोवाकिया की डोमीनिका सिबुलकोवा को सीधे सेटों में मात देकर करियर के दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब पर कब्जा कर लिया। एक घंटा 37 मिनट तक चले इस खिताबी मुकाबले में ली ना ने सिबुलकोवा को 7–6(7–3),

6–0 से हराया।

फाइनल मुकाबले के पहले सेट में सिबुलकोवा को हराने में ली ना को 70 मिनट तक कठिन संघर्ष करना पड़ा। सिबुलकोवा पहला सेट टाईब्रेकर तक खींचने में कामयाब रहीं, लेकिन दूसरे सेट में ली ना ने बेहद आक्रामक रुख अपनाते हुए एकतरफा मुकाबले में सिबुलकोवा को 6–0 से मात दे दी।

दूसरे सेट में चार के मुकाबले 12 विनर्स लगाकर ली ना ने सिबुलकोवा को मात्र 27 मिनट में धराशायी कर दिया। सिबुलकोवा का यह पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल मुकाबला था।

वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक

वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक का पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड टूट गया है. ये रिकॉर्ड तोड़ा है न्यूजीलैंड के बल्लेबाज कोरी एंडरसन ने. उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1 जनवरी 2014 को क्वींसटाउन में खेले गए तीसरे वनडे में यह रिकॉर्ड बनाया.

पाकिस्तान के शाहिद आफरीदी ने साल 1996 में श्रीलंका के खिलाफ 37 गेंदों में शतक पूरा किया था.

लेकिन एंडरसन ने 36 गेंदों में ही यह कारनामा कर दिखाया. अपने शतक तक पहुंचने के लिए उन्होंने चार चौके और 12 छक्के लगाए.

उन्होंने कुल 47 गेंदों में छह चौकों और 14 छक्कों की मदद से नाबाद 131 रन बनाए.

हालांकि वह भारत के रोहित शर्मा का एक मैच में सर्वाधिक 16 छक्के मारने का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए लेकिन उनकी इस पारी से न्यूजीलैंड ने यह मैच 159 रनों से जीतकर पाँच मैचों की सीरीज में 1–1 से बराबरी कर ली है.

दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे बारिश के कारण रद्द हो गया था. तीसरा मैच भी बारिश के कारण 21 ओवर प्रति पारी कर दिया गया था.

मेजबान टीम ने निर्धारित 21 ओवर में बेहद आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट के नुकसान पर 283 रन बनाए.

पाँचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे एंडरसन ने कैरेबियाई गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए आफरीदी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया.

जेसी राइडर ने 51 गेंदों पर 12 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 104 रन बनाए. एंडरसन

रोनाल्डो को फीफा के साल 2013 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के खिताब (बैलन डी ओर) से नवाजा गया

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार दिग्गज पुर्तगाली फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो का वो सपना पूरा हो ही गया, जिसके करीब आकर भी पिछले चार साल से वो उस तक नहीं पहुंच पा रहे थे। 13 जनवरी 2014 को रोनाल्डो को फीफा के साल 2013 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के खिताब (बैलन डी ओर) से नवाजा गया है। यह वही खिताब है जिसकी दौड़ में पिछले चार सालों से रोनाल्डो भी थे, लेकिन हर बार इसे अर्जेटीना के लियोनेल मैसी हासिल कर लेते थे।

अपने देश पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम व दिग्गज स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर रोनाल्डो ने जब ज्यूरिख में फीफा के सालाना पुरस्कार समारोह में इस बार सर्वश्रेष्ठ खिताब के लिए अपने नाम की घोषणा सुनी तो वो मंच पर ही बेहद भावुक हो गए।

उन्होंने ब्राजील के पूर्व महानतम फुटबॉलर पेले के हाथों इस पुरस्कार को हासिल किया। यह लम्हा उनके लिए और खास इसलिए भी हो गया क्योंकि मंच पर इस ट्रॉफी को लेते वक्त उनका बेटा भी उनके साथ था। रोनाल्डो के बेटे का नाम भी क्रिस्टियानो ही है।

इस बार खिताब के लिए उनके साथ दौड़ में हमेशा की तरह लियोनेल मैसी तो थे ही, साथ ही बेयर्न म्यूनिख के जर्मन स्टार फ्रैंक रिबेरी भी मौजूद थे। मुकाबला कड़ा था लेकिन आखिरकार इस बार रोनाल्डो ने बाजी मार ही ली। समारोह में रोनाल्डो का परिवार व उनकी गर्लफ्रेंड व मॉडल आयरिना शायक भी मौजूद थीं।

रोनाल्डो ने 2013 में रियल मैड्रिड और पुर्तगाल के लिए खेलते हुए कुल 69 गोल किए। जिसमें स्वीडन के खिलाफ विश्व कप प्लेऑफ मैच में लगाई वो जानदार निर्णायक हैट्रिक भी शामिल थी जो एक मैच में साल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी माना गया था।

रोनाल्डो को फीफा के इस सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार के लिए 5 साल तक इंतजार करना पड़ा। आखिरी बार उन्होंने जब ये खिताब जीता था तब वो मैनचेस्टर यूनाइटेड में थे, हालांकि उस समय इस खिताब को बैलन डी ओर का दर्जा हासिल नहीं था।

रोनाल्डो ने पुरस्कार मिलने के बाद कहा, श्इस लम्हे को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं।

फीफा अवॉर्ड्स समारोह के प्रमुख विजेता –

1. क्रिस्टियानो रोनाल्डो (बैलन डी ओर, पुरुषों में 2013 का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी)
2. नदाइन एंजरर (महिलाओं में 2013 की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी)
3. जुप हेंकाइस (पुरुषों में 2013 का सर्वश्रेष्ठ कोच)
4. सिल्विया नीड (महिलाओं में 2013 की सर्वश्रेष्ठ कोच)
5. ज्लाटान इब्राहमोविच (बेस्ट गोल, ऑनलाइन फैंस वोटिंग के जरिए)

और राइडर ने चौथे विकेट के लिए 191 रन की साझेदारी की.

जीत के लिए वेस्टइंडीज की टीम को 13.5 रन प्रति ओवर के औसत से रन बनाने थे लेकिन टीम पाँच विकेट पर 124 रन ही बना सकी.

कैरेबियाई टीम की शुरुआत खराब रही और 19 रन तक उसने अपने तीन विकेट गंवा दिए थे. वेस्टइंडीज के लिए ड्वेन ब्रावो ने सबसे ज्यादा नाबाद 56 रन बनाए.

आलेख

सर्वशिक्षा वैश्विक निगरानी रिपोर्ट 2013–14

28 जनवरी 2014 को यूनेस्को ने 11वीं सर्वशिक्षा वैश्विक निगरानी रिपोर्ट–2013–14 (11th Education for All Global Monitoring Report 2013–14) जारी की. इस रिपोर्ट का विषय रखा गया– शिक्षण और ज्ञानार्जन रू सबके लिए गुणवत्ता की प्राप्ति. सर्वशिक्षा वैश्विक निगरानी रिपोर्ट–2013–14 में चेतावनी दी गई है कि शिक्षा में किए गए विकास के बावजूद वर्ष 2000 में डाकार, सेनेगल में तय किए गए लक्ष्यों में से एक भी वैश्विक रूप से 2015 तक हासिल नहीं हो पाएगा.

सर्वशिक्षा वैश्विक निगरानी रिपोर्ट इस तथ्य को स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है कि हाशिये पर डाल दिए गए ज्यादातर वर्गों को दशकों से शिक्षा के अवसरों से वंचित रखा जा रहा है. रिपोर्ट में नई चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए अपूर्ण कार्य पूरे करने हेतु एक मजबूत वैश्विक 2015–उत्तरवर्ती शिक्षा ढाँचा प्रस्तुत किए जाने की वकालत की गई है.

रिपोर्ट के अनुसार उत्तरवर्ती–2015 में शिक्षा–लक्ष्य तभी हासिल किए जा सकेंगे, जब उनके साथ स्पष्ट और मापनीय लक्ष्य तय किए जाएँगे और उन लक्ष्यों के साथ यह जाँचने के संकेतक होंगे कि कोई लक्ष्य पीछे नहीं छूट रहा, और साथ ही जब सरकारों तथा सहायता देने वालों के लिए विशिष्ट शिक्षा–वित्तपोषण के लक्ष्य निर्धारित किए जाएँगे.

- ***लक्ष्य 1 :*** प्राथमिक–पूर्व शिक्षा रू सुधारों के बावजूद बहुत सारे बच्चे प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते. वर्ष 2012 में 5 वर्ष से कम आयु के 25 प्रतिशत बच्चों का विकास अवरुद्ध हो गया था. वर्ष 2011 में लगभग आधे युवा बच्चे प्राथमिक–पूर्व शिक्षा प्राप्त कर पाए थे, और उप–सहारा अफ्रीकी देशों में तो यह अंश केवल 18 प्रतिशत था.
- ***लक्ष्य 2 :*** सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा रू सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा एक व्यापक मार्जिन से चूके जाने की संभावना है. स्कूल से बाहर रहे बच्चों की संख्या 2011 में 57 मिलियन थी, जिनमें से आधे संघर्ष–प्रभावित देशों में रह रहे थे. उप–सहारा अफ्रीका में ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 23 प्रतिशत गरीब लड़कियाँ ही दशक के अंत तक प्राथमिक शिक्षा पूरी कर रही थीं. यदि इस क्षेत्र में यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो 2021 में सबसे अमीर बच्चे सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर लेंगे, किंतु सबसे गरीब लड़कियाँ 2086 तक ऐसा नहीं कर पाएँगी.
- ***लक्ष्य 3 :*** निम्नतर माध्यमिक शिक्षा रू अनेक किशोरों में निम्नतर माध्यमिक शिक्षा के जरिये प्राप्त होने वाले बुनियादी कौशलों का अभाव है. 2004 से संख्या में कुछ सधार के साथ 2011 में 69 मिलियन किशोर स्कूलों से बाहर थे. अल्प आय वाले देशों में केवल 37 प्रतिशत किशोरों ने निम्नतर माध्यमिक शिक्षा पूरी की और सबसे गरीब किशोरों में यह दर 14 प्रतिशत जितनी कम है. हाल की प्रवृत्ति के अनुसार, उप–सहारा अफ्रीका के परिवारों द्वारा 2111 तक ही निम्नतर माध्यमिक शिक्षा पूरी कर पाने की आशा है.
- ***लक्ष्य 4 :*** वयस्क साक्षरता रू वयस्क

साक्षरता में शायद ही कोई सुधार हुआ हो. 2000 से केवल 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2011 में 774 मिलियन अशिक्षित वयस्क थे. 2015 में यह संख्या थोड़ी ही घटकर 743 मिलियन होने का अनुमान है. अशिक्षित वयस्कों में से लगभग दो–तिहाई महिलाएँ हैं. विकासशील देशों में सबसे गरीब युवतियों के 2072 तक सार्वभौमिक साक्षरता प्राप्त करने की संभावना नहीं है.

- ***लक्ष्य 5 :*** प्राथमिक शिक्षा लैंगिक असमानता रू लैंगिक असमानता अनेक देशों में विद्यमान है. लैंगिक समानता हालाँकि 2005 तक हासिल कर ली जानी थी, किंतु 2011 में केवल 60 प्रतिशत देशों ने ही प्राथमिक स्तर पर और 38 प्रतिशत देशों ने माध्यमिक स्तर पर यह लक्ष्य हासिल किया गया.
- ***लक्ष्य 6 :*** निम्नतर माध्यमिक शिक्षा लैंगिक समानता रू शिक्षा की खराब गुणवत्ता का मतलब है कि लाखों बच्चे आधारभूत बातें नहीं सीख रहे हैं. लगभग 250 लाख बच्चे आधारभूत कौशल नहीं सीख रहे, हालाँकि उनमें से आधों ने कम से कम चार साल स्कूल में बिताए हैं. इस असफलता की वार्षिक लागत लगभग 129 बिलियन डॉलर है. निम्नतर माध्यमिक शिक्षा में लैंगिक समानता में सुधार की कुंजी शिक्षकों में निवेश करना है. लगभग एक–तिहाई देशों में 75 प्रतिशत से कम प्राथमिक स्कूल शिक्षक राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार प्रशिक्षित हैं. एक–तिहाई देशों में वर्तमान शिक्षकों को प्रशिक्षित करने की चुनौती, नए शिक्षकों को भर्ती और प्रशिक्षित करने की एक बड़ी समस्या है.

वैश्विक निगरानी रिपोर्ट और भारत

रिपोर्ट के अनुसार भारत में दो मुद्दे हैं, पहुँच और गुणवत्ता. भारत ने शिक्षा के अधिकार (अधिनियम) के तहत जहाँ पहुँच वाले भाग की लगभग पूर्ति कर दी है,वहीं अब सरकार का अगला लक्ष्य अब गुणवत्ता सुधारने पर केंद्रित करना है.

मुख्य तथ्य

- भारत में शिक्षा पर कुल सरकारी व्यय का 10.5 प्रतिशत खर्च होता है, जो सकल राष्ट्रीय उत्पाद (जीएनपी) का 3.3 प्रतिशत है.
- शिक्षा पर व्यय 6 प्रतिशत के लक्ष्य से कम था. वस्तुतरू शिक्षा पर खर्च में 1999–2011 की अवधि के दौरान गिरावट आई है. गिरावट बजट–निर्धारित व्यय के प्रतिशत और जीएनपी के प्रतिशत, व्यय दोनों दृष्टियों से देखी गई. 1999 में शिक्षा पर खर्च कुल बजट–निर्धारित व्यय का 13 प्रतिशत और जीएनपी का 4.4 प्रतिशत था.
- भारत में अशिक्षित वयस्कों की सबसे बड़ी जनसंख्या, 287 मिलियन, है जो विश्वभर में ऐसे लोगों की कुल जनसंख्या का 37 प्रतिशत है.
- भारत में गरीबतर परिवारों के 90 प्रतिशत बच्चे, स्कूल में चार वर्ष पूरे कर लेने के बावजूद, अशिक्षित रहते हैं.
- संयुक्त राष्ट्र के निकाय यूनेस्को ने भारत सहित देशों को शिक्षा–क्षेत्र को अधिक निधियाँ उपलब्ध कराने के लिए अपनी कर–व्यवस्था सुधारने को कहा है.

- भारत में धनी महिलाएँ पहले ही सार्वभौमिक साक्षरता हासिल कर चुकी हैं, किंतु निर्धनतम महिलाएँ 2080 के आसपास तक ही ऐसा कर पाएँगी.
- भारत में शिक्षा पर व्यय अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग है. केरल में शिक्षा पर व्यय प्रति छात्र 685 डॉलर प्रति वर्ष और हिमाचल प्रदेश में 542 डॉलर प्रति वर्ष था, जबकि पश्चिम बंगाल में यह 127 डॉलर और बिहार में 100 प्रति वर्ष था.

यह 11वीं ईएफए वैश्विक निगरानी रिपोर्ट 2000 में स्वीकृत वैश्विक लक्ष्यों की दिशा में देशों द्वारा की जा रही प्रगति पर एक सामयिक जानकारी उपलब्ध कराती है. यह 2015 के बाद शिक्षा को वैश्विक विकास एजेंडे के केंद्र में रखे जाने का एक सशक्त मामला भी बनाती है. वर्ष 2008 में ईएफए वैश्विक निगरानी रिपोर्ट में पूछा गया था – क्या हम इसे करेंगे? अब जबकि 2015 से पहले दो ही वर्ष बचे हैं, यह रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि हम नहीं करेंगे.

इस आलोक में रिपोर्ट सरकारों से असुविधाओं का सामना कर रहे समस्त लोगों को ज्ञानार्जन उपलब्ध कराने के अपने प्रयास दोगुने करने की माँग करती है दृ असुविधाएँ चाहे गरीबी के कारण हों या लिंग, रहने के स्थान या अन्य कारकों के कारण. इसके अतिरिक्त, सरकारों को 2015 तक सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा का लक्ष्य हासिल करने के लिए 1.6 मिलियन अतिरिक्त शिक्षकों की भर्ती करने के लिए भी प्रयास अवश्य बढ़ाने चाहिए. परिणामतरू रिपोर्ट में अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा के साथ समस्त बच्चों तक पहुँचने के लिए श्रेष्ठतम शिक्षक उपलब्ध कराने हेतु चार रणनीतियाँ चिह्नित की गई हैं.

- शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों की विविधता प्रतिबिंबित करने के लिए सही शिक्षक चुने जाने अनिवार्य हैं.
- शिक्षकों को प्रारंभिक कक्षाओं से शुरू करके, सबसे कमजोर विद्यार्थियों को सहायता प्रदान के लिए अनिवार्यतरू प्रशिक्षित किया जाना चाहिए.
- देश के सबसे चुनौतीपूर्ण भागों में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक विनियोजित कर विद्याध्ययन में असमानता पर काबू पाएँ.
- सरकारों को शिक्षकों को इस पेशे में बने रहने के लिए प्रेरित करने हेतु उचित प्रकार के प्रोत्साहन अवश्य उपलब्ध कराने चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, चाहे उनकी परिस्थितियाँ कैसी भी क्यों न हों.

किंतु शिक्षक अकेले यह जिम्मेदारी नहीं उठा सकते. रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि शिक्षक शिक्षण और विद्यार्जन सुधारने के लिए भली–भांति तैयार किए गए पाठ्यक्रमों और मूल्यांकन की रणनीतियों के साथ उचित परिप्रेक्ष्य में ही चमक सकते हैं.

इन नीतिगत परिवर्तनों की एक लागत है. यही कारण है कि हमें वित्तपोषण में बदलाव करने की आवश्यकता है. आधारभूत शिक्षा इस समय 26 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष की कम निधियाँ पा रही है, जबकि सहायता में गिरावट जारी है. इस स्थिति में सरकारें शिक्षा में निवेश घटाना मंजूर नहीं कर सकतीं दृ न ही दानकर्ताओं को अपने निधिकरण के वायदों से पीछे हटना चाहिए. यह रिपोर्ट अत्यावश्यक जरूरतों की पूर्ति के लिए पैसे जुटाने के नए रास्ते तलाशने की माँग करती है.

सर्वशिक्षा वैश्विक निगरानी रिपोर्ट सेनेगल की राजधानी डाकार में वर्ष 2000 में स्थापित की गई थी. रिपोर्ट का मुख्य उद्देश्य 2015 तक सर्वशिक्षा लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्धता सूचित करना, प्रभावित करना और कायम रखना है. अप्रैल 2000 में आयोजित यूनेस्को सम्मलेन में 164 देशों के 1100 सहभागियों ने डाकार कार्रवाई रूपरेखा, सर्वशिक्षा – अपनी सामूहिक प्रतिबद्धताओं की पूर्ति को अपनाया था. इन सहभागियों ने व्यापक दायरे वाले छह शिक्षा–लक्ष्य 2015 तक पूरे करने पर सहमति जताई थी.